

रश्मिका मंदाना ने ली 400 परिवारों की जिम्मेदारी, रणबाली की 'जयम्मा' का ये नेक कदम जीत लेगा दिल

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 33
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 286 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 15 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 5 विक्रमी संवत ● पृष्ठ :12 ● मूल्य 4 रूपया

पंचम दिन

मां स्कंदमाता



मां स्कंदमाता भगवान कार्तिकेय की माता हैं। वे अपने पुत्र को गोद में धारण करती हैं और कमल पर विराजमान रहती हैं। उनकी पूजा मातृत्व, प्रेम, करुणा और वात्सल्य का संदेश देती है। भक्त संतान की सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और जीवन में शांति के लिए उनकी आराधना करते हैं।

हाईजैक का इमरजेंसी अलर्ट,सुरक्षा एजेंसियों की अटक गई सांसें

● भारत में इजरायल फ्लाइट जैसा छाया खौफ

जयपुर (एजेंसी)। फ्लाईदुबई के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार पर हुए जानलेवा हमले और हाईजैक की खौफनाक कोशिश की यादें अभी धुंधली भी नहीं पड़ी थीं कि बुधवार सुबह जयपुर में एयर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग ने सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ा दिए। जर्मनी (फ्रैंकफर्ट) से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अचानक हाईजैक/बम का कोड ट्रिगर होने के बाद हड़कंप मच गया और विमान को आनन-फानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया।

● **इमरजेंसी अलर्ट बटन के बाद मची हलचल-** हुआ यूं कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-2030 में अनहोनी की सूचना मिली थी। विमान के पायलट की ओर से इमरजेंसी अलर्ट बटन कोड 7500 दबाने पर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई। यह बटन आपातकाल में ही दबाया जाता है। इससे पता चलता है कि विमान में या तो बम है या हाईजैक कर लिया गया है। आपात अलर्ट मैसेज के बाद दिल्ली से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हुईं।



जांच में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु

जयपुर एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सघन जांच की। सभी यात्रियों की तलाशी ली गई। साथ ही क्रू मेंबर की भी तलाशी ली गई। विमान के अंदर और लगेज की भी पूरी जांच की गई। एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते सहित तमाम सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने चप्पे चप्पे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के मुताबिक विमान में पायलट केबिन से इमरजेंसी अलर्ट बटन दबने की सूचना के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हुई थी। यह अलर्ट बटन विमान के हाईजैक होने या बम होने की स्थिति में ही आपातकाल की सूचना के दौरान ही इस्तेमाल किया जाता है। जयपुर में जब सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों ने पायलट से पूछताछ की तो उनका कहना था कि उन्होंने कोई इमरजेंसी बटन नहीं दबाया। ट्रैफिक कंट्रोल रूम को इमरजेंसी अलर्ट की सूचना मिली थी लेकिन दूसरी ओर पायलट का कहना है कि उन्होंने इमरजेंसी अलर्ट का बटन नहीं दबाया। इमरजेंसी अलर्ट के मैसेज के बाद भी पायलट द्वारा कोई बटन दबाने से इनकार करने पर सुरक्षा एजेंसियां दूसरे पहलू से जांच करने लगी है। एजेंसियां अब यह जांच करने लगी है कि क्या टेक्निकल प्रॉब्लम थी।

11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन का दीवाली बोनस

● जन्म से 40 फीसदी दिव्यांगों को पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने लगभग



11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दिवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया, आज कैबिनेट ने तीन बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए। पहला फैसला लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी देना था। यह बोनस दिन-रात अथक परिश्रम करने वाले मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा है। जब हम अपने परिवारों के साथ त्योहार मना रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी चौबीसों घंटे खेतों में, रेलवे ट्रैक पर, इंजनों के अंदर और कार्यशालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए काम करते रहते हैं। बोनस की कुल राशि लगभग 2,009 करोड़ रुपये है। कैबिनेट ने लगभग 11,40,770 रेलवे कर्मचारियों के लिए बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के प्रदर्शन-आधारित होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे दीवाली का तोहफा बताया। यह बोनस रेलवे कर्मचारियों के अथक परिश्रम का सम्मान है। ये कर्मचारी दिन-रात काम करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं।

● प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से करेंगे बातचीत

पीएम मोदी से आज मिलेगा एशियाड का भारतीय दल



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में संपन्न हुए आइची-नागोया एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ से बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में शाम करीब 4.30 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर सम्मान होगा।

● **भारत ने 85 पदकों के साथ हासिल किया चौथा स्थान-** आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारत ने कुल 85 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक अपने नाम किए। भारत लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में शीर्ष पांच देशों में शामिल रहा। हालांकि, इस बार भारतीय दल का प्रदर्शन पदकों की संख्या के लिहाज से अच्छा था।

मुस्कान -साहिल को फांसी की सजा

नीले ड्रम वाली घटना

सौरभ राजपूत मर्डर मामले में मेरठ कोर्ट का बड़ा फैसला

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड यानी नीला ड्रम केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत का फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला भावुक हो गए। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई की। वहीं मुस्कान ने कहा कि उसकी दो बेटियां है उनका ख्याल रखा जाए। हालांकि लंच से पहले भी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए दोनों दोषियों से अदालत ने पूछा कि क्या वे सजा सुनाए जाने से पहले कुछ कहना चाहते हैं। दोनों ने जवाब दिया कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। लंच के बाद दोनों को दोबारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश



किया गया। इसके बाद अदालत ने सजा सुनाई। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, फैसला सुनते समय मुस्कान ने हाथ जोड़ रखे थे और बाद में रोने लगी।

● **मुस्कान ने बेटी से मिलने की गुजारिश की है-** सीनियर जेल सुपरिटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, मुस्कान पिछले तीन-चार दिनों से अपनी बड़ी बेटी से मिलने की गुजारिश कर रही थी। बच्ची की उम्र करीब सात साल बताई गई है। हालांकि, जेल अधीक्षक के अनुसार, बच्ची को उससे मिलवाने के लिए जेल नहीं लाया गया था। सजा पर सुनवाई के दौरान भी मुस्कान की दोनों बेटियों का मुद्दा उठा। बचाव पक्ष की अधिवक्ता रेखा जैन ने बच्चियों के भविष्य और पालन-पोषण का हवाला देते हुए अदालत से कम सजा देने की अपील की। वहीं, अभियोजन पक्ष ने आधार बनाकर कड़ी सजा की मांग की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई पेशी, अदालत ने पूछा- कुछ कहना है

सजा पर फैसला सुनाए जाने से पहले मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला जज के सामने अलग-अलग पेश किया गया। अदालत ने दोनों से उनकी बात रखने का अवसर दिया। दोनों ने कहा कि उन्हें कुछ नहीं कहना है। सीनियर जेल सुपरिटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, अदालत ने दोनों से विभिन्न मुद्दों पर सवाल किए। इनमें फॉरेंसिक रिपोर्ट से जुड़े पहलू भी शामिल थे। उन्होंने सवालों का विस्तृत ब्योरा साझा नहीं किया, लेकिन बताया कि दोनों ने अदालत के सामने अपना पक्ष रखा। जेल अधीक्षक के अनुसार, फैसले से पहले दोनों बेचैन नजर आ रहे थे। उन्होंने रात और सुबह के भोजन में भी कम खाना खाया था और ठीक से सो नहीं पा रहे थे। हालांकि, यह जानकारी जेल प्रशासन के हवाले से है।

यूथ प्रोटेस्टर्स को साथ लाए राहुल, पुलिस पर लगाए आरोप

● छात्रा बोली-प्राइवेट पार्ट पर मारा, युवक ने कहा-गुंडों के कहने पर हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई का सामना करने वाले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं की पिटाई का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी और शाह भारत की आवाज के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी एनएसयूआई के कुछ



कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के साथ मीडिया के सामने आए। इन सभी को दिल्ली में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पीटे जाने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा, जैसा कि मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अपने चारों ओर देखिए। यह भारत है। अमित शाह जी, इसे ध्यान से देखिए, यहां कोई हिंदू, कोई मुसलमान, कोई जाति, कोई महिला या कुछ और नहीं है। यहां सिर्फ एक आवाज, एक विरोध है और वह भारत की आवाज है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी इस आवाज के खिलाफ खड़े हैं।

वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और सबूत हमें भेजें: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मेरी सलाह है, इस आवाज के खिलाफ खड़े ना हों। कोई भी इस आवाज के खिलाफ नहीं टिक सकता। मैंने सभी छात्रों से कहा है कि वे वीडियो रिकॉर्डिंग रखें और वह सबूत हमें भेजें। जब यह पूरा मामला खत्म हो जाएगा, तो हम उन सभी सबूतों का इस्तेमाल करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों को सजा मिलनी चाहिए, उन्हें सजा मिले- चाहे वह पीएम नरेंद्र मोदी हों, ज्ञानेश कुमार हों, अमित शाह हों या फिर वे कॉन्स्टेबल ही क्यों न हो जो हमारे बच्चों पर हाथ उठा रहा है। राहुल गांधी ने इस दौरान केरल की निवासी और दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा आथिरा का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पुलिस कार्रवाई के कारण उसके एक कान की सुनने की क्षमता चली गई है। उन्होंने कहा, केरल की आथिरा के एक कान की सुनने की क्षमता चली गई है।

तिहाड़ के बैरक-4 में आशुतोष रांका व नंबर 2 में सौरव दास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही, अजिंक्य शिंदे को निजी बॉन्ड पर रिहा किया गया है। बताया जा रहा है कि तिहाड़ जेल के बैरक



नंबर में आशुतोष रांका को रखा गया है जबकि सौरव दास को बैरक नंबर दो की जेल में रखा गया है। दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सौरभ और आशुतोष को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

100 साल के होते ही वकील पीबी मेनन को मिला तोहफा

● हाईकोर्ट ने बनाया 'सीनियर एडवोकेट', पीएम ने दी बधाई ● वकालत में है विश्व रिकॉर्ड, मेनन ने कहा-नो रिटायरमेंट



नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने अनुभवी वकील 100 साल के पी बालासुब्रमण्यन मेनन को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया है। मेनन के नाम एक प्रैक्टिसिंग वकील के तौर पर सबसे लंबे करियर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। उन्हें यह सम्मान उनके 10 अक्टूबर को 100वें जन्मदिन से ठीक एक दिन बाद मिला है। हाईकोर्ट ने सोमवार यानी 11 अक्टूबर को पीबी मेनन को 12 अक्टूबर से सीनियर एडवोकेट के तौर पर नियुक्त किया। 2023 में, 97 साल की उम्र में मेनन ने सबसे लंबे समय तक वकालत करने वाले वकील के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके 100वें बर्थडे पर बधाई संदेश भेजा है।

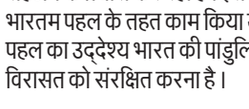
100 साल के पीबी मेनन की लाइफ में रिटायरमेंट नहीं

द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीबी मेनन की जिंदगी में रिटायरमेंट या रिटायर होने जैसी कोई चीज नहीं है। 100 साल की उम्र में भी पलक्कड़ के यह वकील हाथ में केस की फाइल लेकर कोर्ट जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

किसानों को दीवाली पर 5000 रुपए देगी फड़नवीस सरकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र 305 तालुकाओं में सूखा घोषित किया गया है। इससे पहले 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बुधवार को घोषणा की राज्य सरकार ने किसानों को दीवाली पर 5000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। यह राशि त्योहार



से पहले किसानों के बैंक खातों में जमा कराई जाएगी। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए फड़नवीस ने कहा कि सूखे के कारण फसल का नुकसान झेल रहे और आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि इस बार पिछले वर्षों के मुकाबले राहत देने की प्रक्रिया भी तेज की गई है। फड़नवीस ने कहा, पहले 265 तालुकाओं में सूखा घोषित किया गया था। आज हमने कुल 305 तालुकाओं में सूखा घोषित किया है।

दुनिया भर में मिल रही भारतीय संस्कृति को पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का



काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात 'बृहत्तर भारत दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे गए अपने लिखित संदेश में कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार केवल ऐतिहासिक स्मारकों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की प्राचीन पांडुलिपियों को भी सहेजने के प्रयास कर रही है। इसके लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है।

देश में थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39 फीसदी पहुंच गई है। सरकार ने 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92 फीसदी थी। थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54



फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82 थी। थोक महंगाई दर 11.39 फीसदी होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 का है। ये आंकड़े नए बेस ईयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को जीडीपी का नया बेस ईयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है।

बिहार में मौत का ऐसा मंजर कि खुद रो पड़ीं डीएम

● एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच, मची चीत्कार

वैशाली (एजेंसी)। वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार रात हुए नाव हादसे ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव-गांव में मातम पसरा है। भोज खाने के लिए निकले 13 मासूमों की डूबने से मौत हो गई।

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक ही गांव से एक साथ कई बच्चों की अर्थियां उठीं। हर तरफ चीख-पुकार मची है और गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं। वहीं, अस्पताल में मृतक बच्चों के परिजनों का दर्द देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह भी खुद



को संभाल नहीं पाईं। वह परिजनों के गले लगकर रोने लगीं।

इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया। जानकारी के अनुसार, एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव उठे, जबकि दूसरे घर से पांच बच्चियों की मौत हो गई। तीसरे घर के एक बच्चे की भी जान चली गई।

● **भोज खाने जा रहे थे करीब 20 लोग, बीच नदी में पलटी जर्जर नाव-** बताया जाता है कि रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला स्थित माता महारानी स्थान के पास सिंघेश्वर राय के यहां भोज का आयोजन किया गया था। गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के उस पार भोज खाने जा रहे थे। नाव जैसे ही बीच ढाब में पहुंची, ओवरलोड होने और जर्जर स्थिति के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। देखते ही देखते नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर श्यामचंद पंचायत और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। रात के अंधेरे में ग्रामीण मोबाइल की रोशनी के सहारे बचाव कार्य में जुट गए।

सात बच्चियों के शवों से लिपटकर रो रही थी मां, परिजनों को संभाल नहीं पाईं डीएम

अस्पताल में एक मां अपनी सात बच्चियों के शवों से लिपटकर रो रही थी। अपने बच्चों को खोने के गम में डूबी मां की हालत देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह भी भावुक हो गईं। वह खुद को रोक नहीं पाईं और मृतक बच्चों के परिजनों के गले लगकर रोने लगीं। डीएम को इस तरह भावुक देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी भर आईं। हादसे ने न सिर्फ प्रभावित परिवारों, बल्कि पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है। इस दर्दनाक घटना को लेकर ग्रामीणों में अंचल प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि अंचल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई गई नाव जर्जर हालत में थी।

अनमोल वचन

आदमी का मन चंचल भी होता है और दुविधा भी। बहुधा बाह्य और आंतरिक मन में एकरूपता नहीं होती। आंतरिक मन नैतिक मूल्यों पर कायम रहने की प्रेरणा देता है, किंतु बाह्य मन उससे सामंजस्य पैदा नहीं कर पाता। मन की शांति के लिए इस प्रकार की दुविधा को मिटाकर इनमें सामंजस्य पैदा करना अति आवश्यक है, अर्थात जैसा भीतर हो ऐसा ही बाहर। इनमें जितनी एकरूपता होगी उतनी ही मनुष्य में प्रसन्नता, शांति और संतोष की वृद्धि होगी। असंतोष का एक मुख्य कारण है-अपनी यथार्थ स्थिति को भूल जाना। वास्तविकता से आंखें मूंदकर किसी के कहे, सुने या कल्पित स्वरूप में अपने आपको देखने की भूल कर बैठना। अपनी सहज स्वाभाविक स्थिति को भुलाकर लोग जब जीवन का अस्वाभाविक मार्ग अपनाते हैं; अपनी सीमा से अधिक आकांक्षाएं रखते हैं, अपनी सीमा से अधिक धन व्यय करते हैं, भले ही ऋण लेना पड़े, ऐसी स्थिति भी अशांति और असंतोष का कारण बन जाती है। प्रकृति का एक नियम है क्रमबद्ध विकास। इसी सिद्धान्त से सभी उच्च स्थिति में धीरे-धीरे पहुंचते हैं और वह भी अपनी योग्यता, क्षमता और परिश्रम के आधार पर। याद रहे बचपन के बाद अचानक वृद्धावस्था में नहीं पहुंच पाता, उगते हुए वृक्ष में ही फल नहीं आ जाते।

मुजफ्फरनगर: द गुड खांडसारी एंड ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के मंत्री अंकित गर्ग पर लगे व्यापारियों के उत्पीड़न के गंभीर आरोप

मुजफ्फरनगर। जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी बीच थाना नई मंडी क्षेत्र से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने कुछ लोगों की गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले की जांच कराने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार कूकडा मंडी निवासी शुभम मित्तल पुत्र राजेश मित्तल ने नई मंडी कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर एक व्यापारी पर परेशान करने व अवैध वसूली का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता शुभम मित्तल ने कूकड़ा मंडी की फर्म चतरसैन अनिल कुमार के मालिक अंकित गर्ग, जो गुड खांडसारी



एसोसिएशन के मंत्री भी हैं, पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने अपने पत्र में अंकित गर्ग की गतिविधियों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि अंकित गर्ग के कारणे लोगों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है। शिकायतकर्ता ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस अधिकारियों से पूरे प्रकरण की जानकारी लेकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को समय रहते आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। उसने संबंधित लोगों की गतिविधियों की जांच कर तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई किए जाने की अपील की है। शिकायतकर्ता शुभम मित्तल ने थाना प्रभारी नई मंडी से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के दौरान क्या तथ्य सामने आते हैं और पुलिस प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

नवरात्रि में मिशन शक्ति की अनूठी पहल, कक्षा 8 की छात्रा अंजनी पाल बनीं एक दिन की मुख्य चिकित्सा अधिकारी



मुजफ्फरनगर। नवरात्रि के पावन अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा अंजनी पाल को एक दिन के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने अंजनी पाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उपहार देकर उसका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान छात्रा को सीएमओ की कुर्सी पर बैठाकर सम्मानित किया गया। अंजनी पाल ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि एक दिन की मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। उनका सपना भविष्य में डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना है। इस अवसर ने उनके सपने को नई प्रेरणा दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। नवरात्रि में यह पहल महिला सम्मान और सशक्तीकरण का प्रेरणादायक संदेश देती है।

खतौली में हरियाणा पुलिस की बड़ी दबिश से मचा हड़कंप: किराए के मकान से युवती बरामद, आरोपी युवक को पकड़कर ले गई पुलिस

शिवपुरी कालोनी अचार फैक्ट्री के पास किराए के मकान पर की छापेमारी, युवती को हरियाणा से बहला-फुसलाकर लाने का आरोप

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे की घनी आबादी वाली शिवपुरी कॉलोनी में बुधवार देर शाम उस समय अचानक अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया, जब हरियाणा पुलिस की टीम ने स्थानीय खतौली पुलिस के साथ अचार फैक्ट्री के पास स्थित एक मकान पर अचानक दबिश दी। पुलिस की इस सरप्राइज रेड से आसपास रहने वाले लोगों में खलबली मच गई। हरियाणा पुलिस ने मौके से बहला-फुसलाकर लाई गई एक युवती को सकुशल बरामद कर लिया और उसके साथ रह रहे आरोपी युवक को हिरासत में लेकर अपने साथ हरियाणा ले गई।

कोतवाली में आमद दर्ज कराकर दी गई दबिश

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरियाणा राज्य के एक थाना क्षेत्र से एक युवती को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर



भगा ले जाने के मामले में स्थानीय पुलिस मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश में जुटी हुई थी। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से हरियाणा पुलिस को लोकेशन मिली कि आरोपी युवक खतौली की शिवपुरी कॉलोनी में किराए का मकान लेकर रह रहा है। सूचना के आधार पर हरियाणा पुलिस की टीम बुधवार देर शाम खतौली पहुंची। नियमानुसार खतौली कोतवाली में आवक (आमद) दर्ज कराने के बाद हरियाणा पुलिस ने स्थानीय कोतवाली पुलिस बल को अपने साथ लिया और शिवपुरी कॉलोनी स्थित अचार फैक्ट्री के पास बने किराए के मकान पर घेराबंदी कर दबिश दी।

मजदूरी के दौरान मकान मालिक की बेटी को भगाने का आरोप

स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के मुताबिक, हिरासत में लिया गया युवक पेशे से मजदूर है। बताया जा रहा है कि वह हरियाणा में एक मकान के निर्माण कार्य में मजदूरी करने गया हुआ था। इसी दौरान उस पर मकान मालिक की बेटी को कथित तौर पर अपने प्रेमजाल और बातों में फंसाकर भगा लाने का आरोप लगा। युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने पर परिजनों ने हरियाणा के संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस टीम जब शिवपुरी कॉलोनी स्थित मकान पर पहुंची, तो वहां युवती मौजूद मिली। पुलिस ने युवती को अपनी सुरक्षा में लिया और आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद हरियाणा पुलिस दोनों को अपने साथ ले गई। कार्रवाई से कॉलोनी में कौतूहल का माहौल

देर शाम अचानक अचार फैक्ट्री के पास पुलिस गाड़ियों की गड़गड़ाहट और भारी पुलिस बल की मौजूदगी देखकर आसपास के लोग दहशत और कौतूहल में आ गए। देखते ही देखते लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। शुरूआत में स्थानीय निवासियों को मामले की भनक नहीं लगी, लेकिन युवती की बरामदगी और युवक की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। कार्रवाई पूरी होते ही पुलिस टीम दोनों को लेकर रवाना हो गई। फिलहाल मामले में दर्ज एफआईआर, आरोपी की विस्तृत पहचान और आगे की विधिक कार्रवाई हरियाणा पुलिस द्वारा की जा रही है।

जीआईसी मैदान पर आज सजेगा किसान महाकुंभ, 50 जिलों और छह राज्यों से पहुंचेंगे किसान

मुजफ्फरनगर। शहर के जीआईसी मैदान में 15 अक्टूबर को किसान मजदूर संगठन की ओर से किसान महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। महाकुंभ में उत्तर प्रदेश के करीब 50 जिलों और छह राज्यों से किसानों के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बुधवार को एसडीएम सदर, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी और किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह ने जीआईसी मैदान पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम ने नगर पालिका के अधिकारियों को साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष ठाकुर लोकेश राणा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि किसान महाकुंभ में किसानों और मजदूरों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। इनमें गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित कर बढ़ोतरी



करने, मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी दिलाने और सांसदों-विधायकों की पेंशन बंद करने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में विभिन्न राज्यों से आने वाले किसान अपने मुद्दों को रखेंगे और किसानों तथा मजदूरों के हितों को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

ठाकुर लोकेश राणा ने नदियों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए कहा कि देशभर में नदियों का प्रदूषित होना गंभीर समस्या है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ने की चिंता भी सामने आ रही है। उन्होंने मुजफ्फरनगर में कैंसर मरीजों के बेहतर उपचार के लिए एक बड़े अस्पताल की स्थापना की मांग उठाने की बात कही। संगठन का कहना है कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं के साथ-साथ आमजन के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों को भी महाकुंभ में प्रमुखता दी जाएगी।

श.ड. -- किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह ने कहा कि किसान-मजदूरों के हितों और राष्ट्रवाद के मुद्दों को लेकर किसान महाकुंभ आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों और मजदूरों के हितों की रक्षा करने के साथ राष्ट्र के विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। महाकुंभ में विभिन्न मांगों पर विचार-विमर्श कर आगामी आंदोलन और संगठन की रणनीति तय की जाएगी।

किसान महाकुंभ को लेकर जीआईसी मैदान में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है। प्रशासन और नगर पालिका के अधिकारी साफ-सफाई सहित आयोजन से जुड़ी जरूरी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटे हैं।

नाली का लेवल ऊंचा उठाने और घटिया निर्माण सामग्री लगाने का आरोप, ड्रेनेज पाइप से तीन इंच ऊपर बनाई नाली

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में जानसठ बस स्टैंड के सामने स्थित कंबल वाला बाग की गली नंबर 383 में सड़क और नाली निर्माण कार्य को लेकर विवाद सामने आया है। स्थानीय निवासी ओंकार सिंह ने ठेकेदार पर निर्माण कार्य में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने और निर्धारित मानकों के अनुरूप नाली का निर्माण नहीं कराने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि नाली का लेवल घरों के ड्रेनेज पाइप से करीब तीन इंच ऊंचा कर दिया गया है, जिससे घरों में गंदा पानी घुसने और जल निकासी बाधित होने की आशंका है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता और नाली के लेवल की जांच कराकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

स्थानीय निवासी ओंकार सिंह के



मुताबिक, गली में वर्ष 2016 में सड़क पर टाइलें लगाई गई थीं। करीब दस साल बाद अब सड़क और नाली का दोबारा निर्माण कराया जा रहा है। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ठेकेदार की ओर से आश्वासन दिया गया था कि नाली का लेवल घरों के टॉयलेट के ड्रेनेज पाइप से करीब छह इंच नीचे रखा जाएगा, ताकि पानी की निकासी सुचारु बनी रहे। लेकिन आरोप है कि अब नाली ड्रेनेज पाइप से करीब तीन इंच ऊंची बना दी गई है। इससे घरों से निकलने वाले पानी की निकासी प्रभावित होने और गंदा पानी वापस घरों में घुसने की आशंका बनी हुई है।

शिकायतकर्ता ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सड़क पर इस्तेमाल किया गया सीमेंट कमजोर दिखाई दे रहा है और कुछ स्थानों पर निर्माण सामग्री उखड़ने लगी है। उन्होंने सड़क की मोटाई, सीमेंट की मात्रा और निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। ओंकार सिंह का कहना है कि सामने का नाला करीब पांच फीट गहरा है, इसलिए नाली की गहराई और ढलान का सही निर्धारण किया जाना जरूरी है, ताकि पानी की निकासी बाधित न हो।

ओंकार सिंह ने स्पष्ट किया कि वह निर्माण कार्य रुकवाने के पक्ष में नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि सड़क और नाली का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर नाली के लेवल, ढलान और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने तथा जल निकासी की समस्या का समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग शिकायत का संज्ञान लेकर निर्माण कार्य की जांच कराता है या नहीं।

शामली कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक: सीडीओ ने दिए औद्योगिक समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

3 किमी लंबी पूर्वी यमुना नहर नाला पाइपलाइन के चोक होने पर मांगा गया एस्टीमेट

शामली। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बृजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में 'जिला उद्योग बंधु' की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन संपन्न हुआ। बैठक के दौरान शासन के निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर क्रमवार गहन चर्चा की गई। सीडीओ ने उद्योग बंधु के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई विभिन्न स्थानीय व औद्योगिक समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

नेप्स योजना और नाले की पाइपलाइन समस्या पर मंथन

बैठक में समीक्षा के दौरान मुख्य विकास



अधिकारी ने 'नेप्स' योजना के तहत औद्योगिक इकाइयों को अधिक से अधिक लाभ दिलवाने के संबंध में राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इसके साथ ही, औद्योगिक आस्थान से पूर्वी यमुना नहर तक जाने वाली लगभग 03 किलोमीटर लंबी नाले की पाइपलाइन के बार-बार चौक (अवरुद्ध) हो जाने की गंभीर समस्या पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस समस्या के स्थाई समाधान हेतु संबंधित विभाग द्वारा पूर्व में प्रेषित किए गए एस्टीमेट की स्थिति की समीक्षा की गई। उद्योग बंधु की इस समीक्षा बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति, सिंचाई विभाग और अन्य प्रमुख कार्यदायी संस्थाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रकरण सामने आए।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय अफसरों को आपसी समन्वय बनाकर इन समस्याओं का समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण करने के निर्देश दिए, ताकि जनपद में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। बैठक में यह अधिकारी व उद्योगपति रहे मौजूदआयोजित बैठक में उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता सहित जिला स्तरीय संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, उद्योग बंधु के प्रतिनिधियों के रूप में प्रमुख उद्यमी विशाल गुप्ता, अंकित गोयल, आलोक कुमार जैन सहित कई अन्य उद्यमी व व्यापारी मौजूद रहे।

शिक्षक-स्नातक चुनाव में भाजपा की जीत के लिए सुरेश राणा ने झोंकी ताकत, तीन शिक्षण संस्थानों में किया जनसंपर्क

श्रीचंद शर्मा और दिनेश गोयल के समर्थन में मतदान की अपील, शिक्षकों व स्नातकों से भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का आह्वान

थानाभवन। विधान परिषद शिक्षक एवं स्नातक चुनाव 2026 को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने थानाभवन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क कर शिक्षकों एवं स्नातकों से अधिकाधिक मतदान करने की अपील की।

बुधवार को सुरेश राणा ने एमएलसी शिक्षक क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा के साथ जलालाबाद स्थित दिव्या पब्लिक स्कूल एवं गुरु नानक इंटर कॉलेज तथा थानाभवन स्थित अर्पण पब्लिक स्कूल में आयोजित



बैठकों में सहभागिता की। इस दौरान मेरठ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री दिनेश गोयल के समर्थन में मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया गया। बैठकों के दौरान आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर चर्चा की गई तथा शिक्षकों एवं स्नातकों से संवाद स्थापित करते हुए भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में समर्थन जुटाने पर जोर दिया गया। सुरेश राणा ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने और मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।

भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के माध्यम से पार्टी चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटी है। शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अधिकाधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाने और प्रत्याशियों के पक्ष में समर्थन जुटाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

थानाभवन में 20 अवैध टेट्रा पैक बरामद, आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज

थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस को देखकर भागना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने पीछा कर महमूदगढ़ अंडरपास के पास रामू की झोपड़ी से उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से देशी शराब के 20 टेट्रा पैक बरामद हुए। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात पुलिस टीम गश्त और संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की तलाश में थी। इसी दौरान महमूदगढ़ अंडरपास की ओर जा रहे एक युवक के हाथ में कपड़े का थैला दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह पास की झोपड़ी में छिपने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम सुएब पुत्र महबूब, निवासी मुहल्ला शाहविलायत, कस्बा थानाभवन बताया। तलाशी के दौरान थैले से 200 एमएल के 20 टेट्रा पैक बरामद हुए, जिनमें कुल चार लीटर देशी शराब थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपित ने पूछताछ में बताया कि वह मजदूरी करता है और शराब लाकर बेचता है। पुलिस ने बरामद शराब को सील कर आरोपित के खिलाफ धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।



मिशन शक्ति अभियान: बुढ़ाना के कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं को किया जागरूक

सीओ गजेंद्र पाल सिंह और थाना प्रभारी सुभाष बाबू अत्री ने महिला सुरक्षा, अधिकारों और आत्मनिर्भरता की दी जानकारी, ज्योमेट्री बॉक्स व फल वितरित कर बढ़ाया उत्साह

मुजफ्फरनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को बुढ़ाना क्षेत्र स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह और थाना प्रभारी सुभाष बाबू अत्री ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, उनके अधिकारों, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक अपराध तथा मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी इंदु सिद्धार्थ के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को जागरूक कर उनमें सुरक्षा का भाव मजबूत करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना रहा।

समस्या होने पर तत्काल पुलिस की सहायता लें

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को बताया कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न अथवा आपात स्थिति में बिना घबराए पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। छात्राओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं और महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों की



जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने उन्हें उपलब्ध सहायता सेवाओं का जरूरत पड़ने पर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने और किसी भी अनुचित गतिविधि की जानकारी जिम्मेदार व्यक्तियों अथवा पुलिस को देने के लिए प्रोत्साहित किया।

ज्योमेट्री बॉक्स और फल वितरित कर बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से उन्हें ज्योमेट्री बॉक्स एवं फल वितरित किए गए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि जागरूकता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकती हैं।

मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं अन्य स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। पुलिस का उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

समन वास्ते करार वाद उमर तनकीह तलब आर्डर 5 नियम 1 व 5

न्यायालय श्रीमान अपर उपजिलाधिकारी सदर, मुजफ्फरनगर।

वाद सं० - 7308 सन् 2026

पंकज कुमार पुत्र किरतभान निवासी-ग्राम कुतुबपुर परगना पुरछपार तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर .....वादी

बनाम

1. संजीव कुमार त्यागी पुत्र शिवराज त्यागी 2. साधना पत्नी राजीव त्यागी 3. अनन्त त्यागी पुत्र राजीव त्यागी 4. शिवम त्यागी पुत्र राजीव त्यागी 5. रविन्द्र कुमार पुत्र सूरजभान 6. राकेश पुत्र रविदत्त निवासीगण-ग्राम कुतुबपुर परगना पुरछपार तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर 7. अनिरुद्ध कुमार पुत्र प्रियभान निवासी-ई-4 ग्रेटर कैलाश एन्क्लेव-1 नई दिल्ली 8. विवेक कुमार पुत्र प्रियभान निवासी-मौहल्ला आदर्श कालौनी पोस्ट नई मण्डी जिला मुजफ्फरनगर 9. श्रीमती ऋचा पत्नी विकास कुमार निवासी-ग्राम बरला परगना पुरछपार तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर 10. शीना पुत्री शशिकान्त 11. अल्का त्यागी पत्नी शशिकान्त त्यागी निवासी-म०नं० 44ए सुभाषनगर उधम सिंह नगर .....प्रतिवादीगण

धारा - 116 यू०पी०आर०सी० मौजा - कुतुबपुर

वादी ने आपके नाम नालिश बाबत तकसीम दायर की मे लिहाजा आपको हुक्म होता है आप ब तारीख के जो दिनांक 16-10-26 को 10:00 बजे दिन मे असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे हालात से करार वाकिफ किया गया हो और कुछ उमूर अहम मुन्तालिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात को दे सके। हाजिर और जवाब देही दावा करे और उसी रोज अपना जुमला गवाही की जिसकी शाहदत पर निजी तमाम दस्तावेजो को जिस पर अपनी जवाबदेही की ताईद मे इस्तेमाल करना चाहते हो, पेश करे। अगर बरोज मगर आप हाजिर न होगे तो, मुकदमा बगैर हाजिर आपके मसमोह फैसला होगा।

बसवत मेरे दस्तखत और मोहर अदालत के आज तारीख 12 माह 10 सन् 2026 जारी किया गया है।

न्यायालय
अपर उपजिलाधिकारी सदर
मु०नगर।



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 15 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



एसीएन हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान नवजात की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

भाकियू कार्यकताओं ने अस्पताल पहुंचकर किया हंगामा, स्वास्थ्य विभाग की जांच में पंजीकरण के दस्तावेज नहीं मिले; ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम सील

मुजफ्फरनगर। रुड़की रोड स्थित एसीएन हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान उपचार को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया। प्रसव के दौरान उचित उपचार नहीं मिलने और समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं होने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि प्रसव के दौरान महिला की हालत बिगड़ने के बाद उसे नवजात सहित गंभीर अवस्था में दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां नवजात की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताते हुए निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं, शिकायत मिलने पर सीएमओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल पहुंचकर जांच की। इस दौरान पंजीकरण संबंधी दस्तावेज और चिकित्सकों के वैध प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं कराए जाने पर अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम को सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग अब पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने की तैयारी में है।

12 अक्टूबर को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराई गई थी महिला

परिजनों के अनुसार, लद्दावाला निवासी अनस की पत्नी नाजमीन को प्रसव के लिए 12 अक्टूबर की शाम एसीएन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों को उम्मीद थी कि अस्पताल में महिला का सुरक्षित प्रसव कराया जाएगा, लेकिन बुधवार, 14 अक्टूबर की सुबह प्रसव के दौरान स्थिति बिगड़ने लगी। आरोप है कि प्रसव के दौरान बच्चा फंसने जैसी स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद अस्पताल में मशीन के माध्यम से प्रसव कराने का प्रयास किया गया, लेकिन महिला की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। परिजनों का आरोप है कि स्थिति गंभीर होने के बावजूद अस्पताल में समय पर सर्जन और बेहोशी के चिकित्सक उपलब्ध नहीं हो



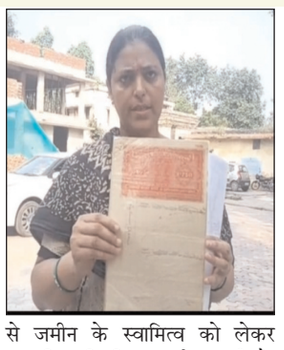
सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सकों की व्यवस्था होती और आवश्यक उपचार मिल जाता तो स्थिति को संभालने का प्रयास किया जा सकता था। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि होना अभी बाकी है। स्वास्थ्य विभाग की जांच में ही उपचार के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं से संबंधित तथ्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। परिजनों के मुताबिक, बुधवार सुबह महिला और नवजात की हालत गंभीर होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। बताया गया कि सुबह करीब पांच बजे दोनों को वहां ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान नवजात की मौत हो गई। नवजात की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने एसीएन हॉस्पिटल के प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि प्रसव जैसी संवेदनशील स्थिति में अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता और आपातकालीन उपचार की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए थी। उनका आरोप है कि समय पर आवश्यक चिकित्सकीय सहायता नहीं मिलने के कारण हालात बिगड़े। दूसरी ओर, अस्पताल की महिला चिकित्सक ने इन आरोपों को खारिज करते हुए महिला की हालत पहले से गंभीर होने की बात कही है। ऐसे में पूरे मामले में दोनों पक्षों के दावों की जांच महत्वपूर्ण हो गई है। नवजात की मौत की जानकारी मिलने पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारी गुलबहार राव अन्य कार्यकताओं के साथ अस्पताल पहुंच गए। वहां परिजनों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताया गया। कार्यकताओं ने प्रसव के दौरान उपचार में कथित लापरवाही का मामला उठाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मौके पर मौजूद महिला चिकित्सक को लेकर भी परिजनों और कार्यकताओं ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यह पता लगाया जाए कि प्रसव के दौरान महिला और नवजात को किस तरह का उपचार दिया गया। अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

मंदिर की जमीन पर कब्जे के दावे से विवाद, महिला ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

गांधी कॉलोनी की मेन रोड स्थित मंदिर को पारिवारिक संपत्ति बता रहीं रश्मि सिंह, रजिस्ट्री और अन्य दस्तावेजों के आधार पर निष्पक्ष जांच की मांग

मुजफ्फरनगर। गांधी कॉलोनी की मेन रोड पर स्थित एक मंदिर की जमीन को लेकर विवाद सामने आया है। गांधी कॉलोनी निवासी रश्मि सिंह ने कुछ लोगों पर मंदिर की जमीन पर अपना हक जताने और उनके परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया है। बुधवार को वह अपनी शिकायत लेकर जिलाधिकारी के पास पहुंचीं और जमीन से संबंधित दस्तावेजों की जांच कराकर मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। फिलहाल मामले में दूसरे पक्ष की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रश्मि सिंह के अनुसार, गांधी कॉलोनी की मेन रोड पर स्थित मंदिर उनकी पारिवारिक संपत्ति है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1971 में उनके ससुर ने अपनी मां की याद में इस मंदिर का निर्माण कराया था। उनका दावा है कि जमीन से संबंधित रजिस्ट्री और अन्य दस्तावेज उनके परिवार के नाम पर हैं और ये सभी कागजात उनके पास सुरक्षित हैं। रश्मि सिंह ने बताया कि वह संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जिलाधिकारी को दिखाने और मामले की जांच कराने के उद्देश्य से पहुंची हैं। उनका कहना है कि दस्तावेजों की जांच



से जमीन के स्वामित्व को लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि कुछ लोग मंदिर की जमीन पर अपना अधिकार जता रहे हैं और इसको लेकर उनके परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। रश्मि सिंह के मुताबिक, दो-तीन दिन पहले भी कुछ लोग मेन रोड पर पहुंचे थे, जहां हंगामा होने का आरोप उन्होंने लगाया है। उन्होंने बताया कि परिवार ने जब दुकान के निर्माण के लिए पुरानी संरचना को हटाने का काम शुरू किया, तब भी उन्हें परेशान किया गया। रश्मि सिंह का आरोप है कि कुछ लोग उनके परिवार को वहां से हटाना चाहते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और दूसरे पक्ष का बयान मिलना बाकी है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

रश्मि सिंह ने कहा कि विवाद के चलते उनके परिवार में भय का माहौल है। उन्हें अपने बच्चों की सुरक्षा की भी चिंता सता रही है। उनका दावा है कि जमीन पर उनके परिवार का कब्जा है और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी मौजूद हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से मांग की है कि जमीन पर दावा करने वाले लोगों की पहचान कराई जाए और संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाए।

उन्होंने यह भी बताया कि कथित हंगामे का वीडियो उनके पास है, जिसे जांच के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। फिलहाल यह मामला शिकायतकर्ता के आरोपों और दावे पर आधारित है। जमीन के स्वामित्व, कब्जे और विवाद से जुड़े तथ्यों की पुष्टि संबंधित अभिलेखों की जांच के बाद ही हो सकेगी। दूसरे पक्ष की प्रतिक्रिया मिलने पर उसका पक्ष भी महत्वपूर्ण होगा।

गोयला टेंट हाउस के पास तेज रफ्तार बाइक का कहर, तीन युवकों ने पल्सर में मारी जोरदार टक्कर

शाहबुद्दीनपुर रोड निवासी शाहनवाज गंभीर घायल, हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त, भाई की तहरीर पर नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। नगर कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार और कथित लापरवाही से बाइक चलाने के कारण हुए हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोयला टेंट हाउस के पास स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने सामने से आ रही पल्सर मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पल्सर सवार शाहनवाज को गंभीर चोटें आईं, जबकि उसकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद घायल सड़क पर पड़ा रहा। आसपास मौजूद लोगों ने उसके परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद उसका भाई समीर मौके पर पहुंचा और उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गया। घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले में समीर की तहरीर पर नगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घर लौट रहा था शाहनवाज, रास्ते में हुआ हादसा

शाहबुद्दीनपुर रोड निवासी समीर पुत्र मोहम्मद अनीस ने नगर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 12 अक्टूबर 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे उसका भाई शाहनवाज अपनी पल्सर मोटरसाइकिल संख्या यूपी-12-एपी-6205 से घर लौट रहा था। जब वह गोयला टेंट हाउस के पास पहुंचा, तभी सामने से स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संख्या यूपी-12-बीएस-7116 आ गई। शिकायत के अनुसार, स्प्लेंडर प्लस बाइक पर तीन कम उम्र के युवक सवार थे। आरोप है कि वे मोटरसाइकिल को तेज गति और लापरवाही से चला रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक शाहनवाज की पल्सर से सामने से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शाहनवाज गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी



मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद शाहनवाज घायल अवस्था में मौके पर पड़ा रहा। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों ने उसे पहचानकर उसके भाई समीर को सूचना दी कि शाहनवाज गोयला टेंट हाउस के पास घायल पड़ा है। सूचना मिलते ही समीर अपनी कार से घटनास्थल पर पहुंचा। उसने घायल भाई को संभाला और तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर पहुंचाया। तहरीर में समीर ने बताया कि शाहनवाज को गंभीर चोटें आई हैं और उसका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे में उसकी पल्सर मोटरसाइकिल को भी नुकसान पहुंचा है। घटना से परिवार में चिंता का माहौल है। हालांकि, घायल की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के बारे में तहरीर में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। समीर ने पुलिस को दी शिकायत में दुर्घटना के लिए स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार तीनों युवकों को जिम्मेदार ठहराया है। उसने बाइक का पंजीकरण नंबर यूपी-12-बीएस-7116 भी तहरीर में दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मांग की कि बाइक पर सवार तीनों युवकों की पहचान की जाए और तेज गति तथा लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप की जांच कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए। तहरीर में क्षतिग्रस्त पल्सर मोटरसाइकिल और शाहनवाज को आई चोटों के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है। बाइक का पंजीकरण नंबर जांच में अहम कड़ी हो सकता है। पुलिस संबंधित वाहन और उसके चालक के संबंध में जानकारी जुटाकर हादसे की परिस्थितियों की जांच करेगी।

13 अक्टूबर को दी गई तहरीर, नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज

समीर ने 13 अक्टूबर 2026 को नगर कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर घटना की जानकारी दी और मुकदमा दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस हादसे के समय की परिस्थितियों, दोनों मोटरसाइकिलों की स्थिति और स्प्लेंडर प्लस पर सवार तीनों युवकों की पहचान से जुड़े तथ्यों की पड़ताल करेगी।

मुजफ्फरनगर में दिल्ली-हरिद्वार बस में लूट: नशीला पदार्थ सुंघाकर यात्री का बैग चोरी, यूपीआई से भी उड़ाए रुपये, पुलिस ने दर्ज की जीरो एफआईआर

खतौली क्षेत्र में रात डेढ़ बजे दिया वारदात को अंजाम, होश आने पर हरिद्वार में मिला पीड़ित

खतौली (मुजफ्फरनगर)। दिल्ली से उत्तराखंड के हरिद्वार जा रहे एक बस यात्री को खतौली क्षेत्र में नशीला पदार्थ सुंघाकर उसका बैग चोरी कर लिया गया। होश आने पर पीड़ित को न केवल सामान गायब मिला, बल्कि उसके यूपीआई खाते से भी हजारों रुपये निकाल लिए गए थे। पीड़ित ने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई और अपना बयान दर्ज कराया, जिसके आधार पर पुलिस ने जीरो प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शीतल पेय देने से मना किया तो मुंह पर छिड़का नशीला पदार्थ

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के ज्ञान मंदिर मार्ग, जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट-1 निवासी विपुल रावत गत सात सितंबर को उत्तराखंड रोडवेज की बस से दिल्ली से हरिद्वार जा रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे जब बस खतौली क्षेत्र में रुकी, तो उनकी बगल की सीट पर बैठे एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें शीतल पेय



(कोल्ड ड्रिंक) पिलाने का प्रयास किया। विपुल द्वारा मना करने पर आरोपी ने अचानक उनके मुंह पर कोई नशीला पदार्थ छिड़क दिया, जिससे वे बेहोश हो गए।

आईफोन, कैमरा, नकदी समेत यूपीआई से आठ हजार रुपये गायब

जब विपुल को होश आया, तो बस हरिद्वार पहुंच चुकी थी। होश में आने पर उन्होंने देखा कि उनका बैग गायब था। बैग में उनका महंगा आईफोन मोबाइल, कैमरा, 10 हजार रुपये नकद और कपड़े रखे हुए थे। इतना ही नहीं, शातिर आरोपी ने बाद में उनके यूपीआई खाते से भी 8,000 रुपये अवैध रूप से ट्रांसफर कर निकाल लिए।

एफआईआर दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

मामले में जानकारी देते हुए सीओ खतौली रुपाली रॉय चौधरी ने बताया कि शिकायतकर्ता के बयान दर्ज कर नियमानुसार जीरो एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच-पड़ताल कर रही है। घटनास्थल का सटीक स्थान और क्षेत्राधिकार स्पष्ट होने के बाद केस डायरी संबंधित थाने को स्थानांतरित कर दी जाएगी।

कार्रवाई की चेतावनी से भड़के एनएचएम संविदा कर्मी, छठे दिन निकाला शांति मार्च

नियमितीकरण, समान कार्य-समान वेतन और सम्मानजनक मानदेय की मांग पर अड़े कर्मचारी, जिला पुरुष चिकित्सालय से महिला चिकित्सालय तक निकाला मार्च

मुजफ्फरनगर। नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन और सम्मानजनक मानदेय सहित विभिन्न मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले स्वास्थ्य कर्मियों का धरना-प्रदर्शन छठे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों की ओर से कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने के बाद आंदोलनरत कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई। विरोध स्वरूप संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने जिला पुरुष चिकित्सालय से जिला महिला चिकित्सालय तक शांति मार्च निकाला। इस दौरान कर्मचारियों ने अन्य संविदा कर्मियों से भी आंदोलन में शामिल होने की अपील की और अपनी मांगों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं और सेवा सुरक्षा नहीं मिल पा रही हैं। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी



रहेगा। धरना-प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अधिकारियों की ओर से कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि अपनी जायज मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना उनका अधिकार है। ऐसे में आंदोलन के दौरान दबाव बनाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। शांति मार्च के दौरान कर्मचारियों ने एकजुटता का संदेश देते हुए अन्य संविदा कर्मियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक और ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक संघर्ष जारी रखा जाएगा। कर्मचारियों का मानना है कि संगठन की एकजुटता ही उनकी मांगों को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने बताया कि प्रदेश कमेटी की प्रमुख सचिव और मिशन निदेशक के साथ मांगों को लेकर लगातार वार्ता चल रही है। वार्ता के दौरान कुछ मांगों पर सहमति बनने की बात सामने आई है, लेकिन सरकार अभी भी कर्मचारियों की सभी प्रमुख मांगों को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि एनएचएम संविदा कर्मचारी लंबे समय से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं के संचालन में संविदा कर्मियों की भूमिका अहम है। इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं, सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक वेतन नहीं मिल पा रहा है। डॉ. सचिन जैन ने कहा कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, सम्मानजनक मानदेय और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं।

जब तक इन मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक धरना और आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन को लेकर लखनऊ के ईको गार्डन में भी हलचल तेज हो गई है। वहां धरना दे रहे मयंक ठाकुर गुट और योगेश उपाध्याय गुट के एक मंच पर आने से आंदोलन को नई मजबूती मिलने का दावा किया गया है। दोनों गुटों के साथ आने से प्रदेशभर के एनएचएम संविदा कर्मचारियों में उत्साह बढ़ा है और संगठन की एकजुटता का संदेश गया है।कर्मचारियों का कहना है कि अलग-अलग गुटों के एक मंच पर आने से मांगों को लेकर संघर्ष अधिक प्रभावी होगा। अब प्रदेशभर के कर्मचारी एकजुट होकर अपनी मांगों को सरकार के सामने रखने और उनके समाधान के लिए निर्णायक संघर्ष करने को तैयार हैं।

वाहन चोरों के नेटवर्क पर खालापार पुलिस का प्रहार, तीन गिरफ्तार, चार चोरी की बाइक बरामद

दो अलग-अलग मुकदमों का खुलासा, प्रेमपुरी से मवाना और शामली तक जुड़ी चोरी की कड़ियां, एएसपी सिद्धार्थ मिश्रा ने प्रेसवार्ता कर दी कार्रवाई की जानकारी

मुजफ्फरनगर। शहर में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खालापार पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर कुल चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें प्रेमपुरी से चोरी हुई हीरो स्प्लेंडर प्लस, मवाना से चोरी बताई गई मोटरसाइकिल, शामली जिले के कंडेला से चोरी बताई गई बाइक और खालापार क्षेत्र से चोरी हुई एक अन्य मोटरसाइकिल शामिल है। पुलिस के अनुसार, पहले मामले में गिरफ्तार दो आरोपी शामली जिले के गांव लुहारी के रहने वाले हैं, जबकि दूसरे मामले में गिरफ्तार युवक मुजफ्फरनगर के प्रेमपुरी क्षेत्र का निवासी है। खालापार पुलिस की इस कार्रवाई की जानकारी सहायक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ मिश्रा ने प्रेसवार्ता के दौरान दी। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक



नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस अधीक्षक नगर सिद्धार्थ मिश्रा के नेतृत्व में शातिर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खालापुर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने मुखबिर की सूचना पर अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों मामलों में बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं भी बढ़ाई हैं। प्रेमपुरी में इमामबाड़े के पास से चोरी हुई बाइक के मामले में मिली पहली सफलता पुलिस के अनुसार, थाना खालापार क्षेत्र के प्रेमपुरी में नदी वाले इमामबाड़े के पास रहने वाले इरफान 12 अक्टूबर 2026 को अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मोटरसाइकिल चोरी की घटना के खुलासे और चोरी गए वाहन की बरामदगी के लिए थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर तलाश करने के साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी दौरान 13 अक्टूबर 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि मेरठ रोड से गहरा बाग की ओर जाने वाले रास्ते पर जैन कन्या पीजी कॉलेज के पास संदिग्ध व्यक्ति मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आदिल पुत्र इरशाद और शायान पुत्र मुन्ना के रूप में हुई है। दोनों शामली जिले के थाना थानाभवन क्षेत्र के गांव लुहारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल बरामद हुई, जबकि पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर दो अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। इस तरह पहले मुकदमे की जांच के दौरान पुलिस को कुल तीन मोटरसाइकिलें मिलीं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आदिल और शायान से पूछताछ की गई तो उन्होंने प्रेमपुरी से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके साथ ही उन्होंने दो अन्य मोटरसाइकिलें चोरी करने की जानकारी भी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बताया कि एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल 27 सितंबर 2026 को मवाना क्षेत्र से चोरी की गई थी

तितावी थाना परिसर के मंदिर में अनोखी शादी: जब जिद पर अड़ा प्रेमी युगल, परिजनों की सहमति से लिए सात फेरे

मुजफ्फरनगर। जनपद के तितावी थाना क्षेत्र में एक प्रेम-प्रसंग का सुखद अंत देखने को मिला। क्षेत्र के ग्राम लड़वा निवासी मंजीत और ग्राम बघरा निवासी डोली ने मंगलवार को तमाम सामाजिक बंदिशों को पीछे छोड़ते हुए तितावी थाना परिसर स्थित मंदिर में एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर विवाह कर लिया। दोनों प्रेमी युगल अलग-अलग जातियों से संबंध रखते हैं, लेकिन युवती की अटूट जिद के आगे अंततः दोनों परिवारों को झुकना पड़ा और पुलिस की मौजूदगी में शादी संपन्न कराई गई। घटनाक्रम के अनुसार, मंगलवार सुबह बघरा निवासी डोली अचानक अपने प्रेमी मंजीत के घर ग्राम लड़वा पहुंच गई और उससे तुरंत शादी करने की इच्छा जताई।



मामला दो अलग-अलग जातियों का होने के कारण युवक के परिजन दोनों को लेकर तितावी थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। तितावी पुलिस ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए युवती डोली के परिजनों को भी सूचना देकर थाने बुलवाया।

थाना परिसर में दोनों पक्षों के गणमान्य लोगों और परिजनों के बीच कई घंटों तक दौर-दर-दौर बातचीत और परामर्श चलता रहा। इस दौरान डोली हर हाल में मंजीत के साथ ही रहने और शादी करने की अपनी जिद पर अड़ी रही। युवती के दृढ़ संकल्प को देखते हुए आखिरकार दोनों परिवारों ने आपसी मनमुटाव भुलाकर इस विवाह पर अपनी सहमति दे दी। इसके बाद थाना परिसर में स्थित मंदिर में दोनों ने धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और आशीर्वाद लिया।

बताया गया है कि लड़वा निवासी मंजीत हरिद्वार की एक निजी कंपनी में कार्यरत है। गांव आते-जाते समय अक्सर बघरा के पुराने बस स्टैंड वाले रास्ते से गुजरने के दौरान उसकी मुलाकात डोली से हुई थी। बातचीत और फोन नंबरों के आदान-प्रदान के बाद दोनों का प्रेम परवान चढ़ा। करीब पांच महीने पूर्व भी डोली घर से चली गई थी, जिसकी गुमशुदगी 31 मई को तितावी थाने में दर्ज हुई थी। हालांकि 8 दिन बाद दोनों के लौटने पर ग्रामीणों ने मामला शांत करा दिया था।

एडीएम ने कलेक्ट्रेट के तीन कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण, लापरवाही न बरतने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) कंट्रोल रूम, आपदा कंट्रोल रूम और जिला जनगणना सेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तीनों इकाइयों में चल रहे कार्यों, उपलब्ध व्यवस्थाओं और अभिलेखों का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार समयबद्ध और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। एमसीएमसी कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान एडीएम ने मीडिया निगरानी,



समाचारों के संकलन और संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि मीडिया से जुड़ी गतिविधियों की नियमित एवं प्रभावी निगरानी की जाए। प्राप्त सूचनाओं और आवश्यक अभिलेखों को व्यवस्थित रखा जाए तथा सभी निर्धारित कार्य समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। आपदा कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए गंभीर सिंह ने आपदा संबंधी सूचनाओं के त्वरित संकलन और शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए कंट्रोल रूम को हमेशा सक्रिय और सतर्क रखा जाए तथा प्राप्त सूचनाओं पर बिना देरी के आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जिला जनगणना सेल के निरीक्षण के दौरान एडीएम ने जनगणना से संबंधित तैयारियों और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनगणना से जुड़े सभी कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और संसाधनों के प्रभावी आवंटन के लिए महत्वपूर्ण आधार होते हैं।

संपादकीय

क्यों नाकाम हो रही हैं शांति बहाली की कोशिशें?

कामजोंग और उखरुल की ताजा हिंसा से मणिपुर में शांति के प्रयास फिर नाकाम साबित हुए हैं। मैतेई-कुकी के बीच अविश्वास और सुरक्षा की कमी से राज्य में हालात गंभीर बने हुए हैं। मणिपुर में फिर से तेज हो रही हिंसक घटनाएं इस बात का संकेत है कि राज्य में शांति एवं सौहार्द की कमजोर पड़ी नींव को नए सिरे से मजबूत करने के प्रयासों को धरातल पर उतारने में संवेदनशीलता, तत्परता और गंभीरता का अभाव बना हुआ है।लंबे समय से जातीय तनाव, आपसी अविश्वास और टकराव का सामना कर रहे इस राज्य में हालात सामान्य होने की उम्मीदें बार-बार टूटती रही हैं। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को कामजोंग, उखरुल और कांगपोकपी जिलों में शुरू हुई हिंसा में नौ लोगों की मौत हो गई।ऐसे में यह सवाल अहम है कि आखिर राज्य में हिंसा का सिलसिला क्यों नहीं थम रहा? सरकार के तमाम दावों के बावजूद शांति बहाली की कोशिशें सतही क्यों साबित हो रही हैं? सुरक्षाबलों की इतनी बड़ी तैनाती के बावजूद अगर हिंसक घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है, तो इसे किस तरह देखा जाएगा। जाहिर है, आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के साथ-साथ जातीय संघर्ष की जड़ में जाकर समाधान के रास्ते तलाशने होंगे। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई, 2023 में शुरू हुए जातीय संघर्ष ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाई है। तब हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी और हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी। ऐसे हालात में हिंसा की कोई भी नई घटना तनाव को फिर बढ़ा देती है। हिंसा के लगातार बने रहने के पीछे दोनों समुदायों के बीच भरोसे की कमी, विस्थापित लोगों की घर वापसी, सुरक्षा और पुनर्वास जैसे मसलों का स्थायी हल न हो पाना है।इसके अलावा जमीन, पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े विवादों ने भी समस्या को जटिल बना दिया है। शांति बहाली के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि हिंसा के मामलों की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों को सजा मिले तथा स्थानीय समुदायों और सामाजिक प्रतिनिधियों को विश्वास बहाली के प्रयासों में शामिल किया जाए।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

(ललित गर्ग)

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध



निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता। अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए।

राहुल गांधी को दो टूक जवाब देकर सीजेआई ने न्यायिक मर्यादा की लाज रख ली

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो इस घटनाक्रम को समझने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से विपक्ष की हालिया मुलाकात भी महत्वपूर्ण है। विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर चिंता जताई थी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेताओं को मिलने का समय देने से इनकार कर दिया है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), कथित 'वोट चोरी' और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपना चाहता था। लेकिन सीजेआई ने साफ कर दिया कि जिन विषयों पर विपक्ष हस्तक्षेप चाहता है, वे न्यायालय में पहले से विचाराधीन हैं। ऐसे मामलों में प्रशासनिक स्तर पर निर्देश देने के बजाय विपक्ष को न्यायिक प्रक्रिया के तहत याचिका दायर करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के दरवाजे सभी नागरिकों के लिए चौबीसों घंटे खुले हैं।

मुख्य न्यायाधीश का यह रुख ऐसे समय सामने आया है, जब राहुल गांधी और इंडी गठबंधन चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आरोपों को लेकर सरकार तथा चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष की मांग थी कि एसआईआर की प्रक्रिया रोकी जाए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और कथित चुनावी अनियमितताओं की जांच हो। राहुल गांधी ने 12 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च करने का आह्वान करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई बताया। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों से पात्र नागरिकों के मतदान के अधिकार पर असर पड़ रहा है।

देखा जाये तो इस घटनाक्रम को समझने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से विपक्ष की हालिया मुलाकात भी महत्वपूर्ण है। विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर चिंता जताई थी। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति ने उनसे आरोपों के समर्थन में सबूत मांगे हैं और विपक्ष प्रमाण प्रस्तुत करने को तैयार है। राहुल गांधी ने संकेत दिया था कि राष्ट्रपति ने वोट चोरी के आरोप को एक तरह से सही माना है। हालांकि बाद में सूत्रों के हवाले से आई खबर के अनुसार राष्ट्रपति कार्यालय ने राहुल गांधी के बयान और दावे पर अप्रसन्नता जताई।

दूसरी ओर, राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद मुख्य न्यायाधीश से मिलने की कोशिश और फिर उनका इनकार विपक्ष की रणनीति के लिए एक अहम घटनाक्रम है। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे चाहते थे कि वे अपनी चिंताओं को सीधे षष्ठद्ध के सामने रखें। लेकिन न्यायपालिका का काम राजनीतिक प्रतिनिधिमंडलों के ज्ञापन पर प्रशासनिक निर्देश देना नहीं, बल्कि विधिसम्मत याचिकाओं पर सुनवाई करना और कानून के अनुसार फैसला देना है। सीजेआई के रुख का यही संस्थागत अर्थ है। लेकिन फिर भी राहुल गांधी का सर्वोच्च अदालत तक मार्च निकालने का फैसला सीधे सीधे अराजकता फैलाने का प्रयास है। राहुल गांधी बार बार संविधान का हवाला देते हैं लेकिन संविधान की संरक्षक राष्ट्रपति के बारे में झूठ बोलते हैं, संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण स्थल सर्वोच्च न्यायालय की बात नहीं मानते, ऐसे में सवाल उठेगा ही कि उनकी असल मंशा क्या है? यही नहीं, ईवीएम पर बार बार सवाल उठाने वाले कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों को हाल में असम और हिमाचल प्रदेश में बैलट पेपर से कराए गए नगर निगम चुनाव में भी करारा झटका लगा है। इसलिए राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं को समझना होगा कि गड़बड़ चुनावी व्यवस्था में नहीं विपक्षी पार्टियों की नीतियों और नीयत पर है, उनकी विश्वसनीयता पर है।

देखा जाये तो एसआईआर का विवाद केवल राजनीतिक दलों के बीच टकराव नहीं है। मतदाता सूची की शुद्धता चुनाव की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। चुनाव आयोग का पक्ष है कि पुनरीक्षण का उद्देश्य सूची को दुरुस्त करना है। विपक्ष इस प्रक्रिया की पारदर्शिता और संभावित प्रभाव पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष चुनावी संस्थाओं की विश्वसनीयता को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस का केंद्र बनाने की कोशिश कर रहा है, जबकि मोदी सरकार आर्थिक विकास और अपने नीतिगत प्रदर्शन को सामने रख कर विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। बहरहाल, सीजेआई का इनकार इस पूरे विवाद में एक महत्वपूर्ण संस्थागत घटनाक्रम है। विपक्ष को समझना होगा कि अंतिम फैसला राजनीतिक नारों या मुलाकातों से नहीं, बल्कि अदालत के सामने प्रस्तुत तथ्यों और प्रमाणों से तय होगा। साथ ही मुख्य न्यायाधीश का विपक्षी नेताओं को मुलाकात का समय देने से इनकार करना संस्थागत मर्यादा बनाए रखने के लिहाज से उचित कदम माना जा सकता है।

दुनिया पर 'डीप स्टेट' के टूलकिट का कसता शिकंजा

'डीप स्टेट' का इतिहास कोई नया अध्याय नहीं है। बीसवीं सदी के मध्य में शीतयुद्ध के दौर से ही शक्तिशाली राष्ट्रों की गुप्तचर एजेंसियों, कॉर्पोरेट घरानों और नीति-निर्माताओं के एक गठजोड़ ने लगभग सभी देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया था। सन् 1953 में ईरान में चुनी हुई मोहम्मद मोसद्देक की सरकार का तख्तापलट हो या सन् 1973 में चिली में साल्वाडोर अलेंदे की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना। सभी घटनाएं इस बात की ऐतिहासिक गवाह हैं कि किस प्रकार पर्दे के पीछे से सत्ता परिवर्तन के षड्यंत्र रचे जाते रहे हैं। समय के साथ इस अनधिकृत तंत्र का विस्तार होता गया।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

इक्कीसवीं सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक राजनीति और संप्रभुता के समक्ष सबसे बड़ा संकट पारंपरिक युद्ध नहीं बल्कि अदृश्य ताकतों द्वारा संचालित छद्म युद्ध है। किसी देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को बिना एक भी गोली चलाए भीतर से ध्वस्त कर देना आज का नया युद्ध कौशल बन चुका है। इसी गुप्त और विनाशकारी रणनीति के केंद्र में है 'डीप स्टेट' अर्थात एक ऐसा अदृश्य, अनधिकृत और समानांतर तंत्र जो चुनी हुई सरकारों को कठपुतली बनाकर या उनका तख्तापलट करके अपने निहित स्वार्थों को साधता है। ऐतिहासिक संदर्भों से लेकर वर्तमान की वैश्विक घटनाओं तक में इस गुप्त संगठन ने जन-विरोध और 'टूलकिट' जैसे रणनीतिक हथियारों का प्रयोग करके जिस अराजकता का बीजारोपण किया है वह वैश्विक शांति और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए गंभीर चेतावनी है। 'डीप स्टेट' का इतिहास कोई नया अध्याय नहीं है।

बीसवीं सदी के मध्य में शीतयुद्ध के दौर से ही शक्तिशाली राष्ट्रों की गुप्तचर एजेंसियों, कॉर्पोरेट घरानों और नीति-निर्माताओं के एक गठजोड़ ने लगभग सभी देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया था। सन् 1953 में ईरान में चुनी हुई मोहम्मद मोसद्देक की सरकार का तख्तापलट हो या सन् 1973 में चिली में साल्वाडोर अलेंदे की लोकतांत्रिक सरकार को गिराना। सभी घटनाएं इस बात की ऐतिहासिक गवाह हैं कि किस प्रकार पर्दे के पीछे से सत्ता परिवर्तन के



षड्यंत्र रचे जाते रहे हैं। समय के साथ इस अनधिकृत तंत्र का विस्तार होता गया। इसमें केवल सशक्त देशों की गुप्तचर संस्थाएं ही नहीं बल्कि बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान, वैश्विक थिंक टैंक, हथियार निर्माता कंपनियां, प्रभाव रखने वाले गैर-सरकारी संगठन और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क ने भी कंधे से कंधा मिलाया।

इस शक्तिशाली गठजोड़ का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के देशों में अपना कठपुतली शासन स्थापित करके प्राकृतिक संसाधनों, बाजार और रणनीतिक भू-राजनीतिक स्थितियों पर नियंत्रण जमाना होता है। बीते कुछ वर्षों में इस 'डीप स्टेट' ने अपने तौर-तरीकों में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव किया है। अब वह सीधे सैन्य हस्तक्षेप या पारंपरिक तख्तापलट के बजाय असंतोष की नई पीढ़ी यानी 'जेन-जी' और युवाओं को मोहरा बना रहा है। इसका सबसे स्पष्ट और विनाशकारी उदाहरण भारत के पड़ोसी देशों में देखने को मिल चुका है।

नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में जन-आक्रोश की चिंगारी को इस अदृश्य तंत्र ने सुनियोजित तरीके से हवा दी। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन से शुरू हुआ छात्रों का प्रदर्शन रातों-रात एक हिंसक तख्तापलट में बदल गया, जिसने सन् 1971 के बाद से बनी स्थिर शासन व्यवस्था को पूरी तरह उखाड़ फेंका। इस पूरे घटनाक्रम में विदेशी फंडिंग, सुनियोजित नैरेटिव और रणनीतिक टूलकिट के जरिए सोशल मीडिया पर जन-भावनाओं को भड़काया गया। ठीक इसी प्रकार नेपाल में भी राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए युवाओं के बीच असंतोष का सुनियोजित इस्तेमाल किया गया। इतिहास की गवाही पर यह स्पष्ट होता है कि 'डीप स्टेट' अब बिना किसी प्रत्यक्ष युद्ध के केवल वैचारिक और मनोवैज्ञानिक माध्यमों से किसी भी देश की व्यवस्था को पंगु बनाने में सक्षम हो चुका है।

अराजकता फैलाने का यह खेल केवल विकासशील या एशियाई देशों तक ही सीमित नहीं है। पश्चिमी दुनिया के वे देश जो स्वयं को लोकतंत्र और स्थिरता का गढ़ मानते हैं, वे भी इस अदृश्य चक्रव्यूह की चपेट में आ चुके हैं। हाल के समय में फ्रांस जैसे शक्तिशाली और समृद्ध यूरोपीय देश में जिस प्रकार छात्रों और युवाओं को माध्यम बनाकर सड़कों पर अराजकता फैलाई गई, उससे 'डीप स्टेट' के स्लीपर सेल की पहुंच की बानगी मिल जाती है। फ्रांस में कथित नागरिक असंतोष को एक संगठित आंदोलन का रूप देकर राजकीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया और देश की प्रशासनिक व्यवस्था को ठप करने का प्रयास किया गया। जब पश्चिमी यूरोप के सशक्त संवैधानिक ढांचे वाले देश भी इस योजनाबद्ध उपद्रव से खुद को नहीं बचा पा रहे हैं।

इस पूरे तंत्र का सबसे शक्तिशाली हथियार बना है डिजिटल टूलकिट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म। राजनीतिक लाभ और आर्थिक वर्चस्व के लिए धनबल के सहारे सोशल मीडिया के माध्यम से भीडबल जुटाकर अराजकता फैलाई जाती है। टूलकिट वास्तव में एक ऐसा पूर्व-निर्धारित डिजिटल दस्तावेज या निर्देश-पत्र होता है जिसमें कब, क्या, कैसे और किस हैशटैग के साथ क्या पोस्ट करना है, का पूरा विवरण होता है। सुनियोजित षडयंत्र के तहत फेक न्यूज और भ्रामक जानकारियों को सोशल मीडिया सहित अन्य प्रचार माध्यमों से प्रसारित-प्रकाशित की जाती है। समाज में विभिन्न वर्गों के बीच अविश्वास की खाई को चौड़ा किया जाता है। अरबों डॉलर के निवेश से संचालित होने वाला यह नेटवर्क आम जनता तक सत्य के स्थान पर अपनी पूर्वनिर्धारित षडयंत्रकारी जानकारियां पहुंचाकर अराजकता फैलाने का काम करता है।

शामली पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का किया पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

शामली और मुजफ्फरनगर में कई स्थानों पर चोरी की घटनाओं को दिया अंजाम, चोरी के विद्युत तार बरामद; एक आरोपी फरार



शामली। शामली पुलिस ने विद्युत खंभों से तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए विद्युत तार और एल्युमिनियम तार के कटे हुए टुकड़े बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी शामली और मुजफ्फरनगर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत खंभों से तार चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। थाना आदर्श मंडी पुलिस ने तार चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान शाहरुख पुत्र शाहिद निवासी मोहल्ला शेख जायदगान, थाना कांधला, कसीम पुत्र सलीम निवासी मोहल्ला आल खुर्द, कस्बा कैराना और परवेज उर्फ सोनू पुत्र इनाम निवासी मोहल्ला अंसरियान, कस्बा कैराना, जनपद शामली के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने तार चोरी करने का तरीका बताया। वे रात के अंधेरे में विद्युत खंभों से तार काटकर चोरी करते थे। इसके बाद चोरी किए गए तारों को सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे। बाद में तारों को एक जगह एकत्रित कर बेच दिया जाता था। इस तरीके से आरोपी अलग-अलग क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। शामली के कई गांवों के साथ मुजफ्फरनगर में भी की चोरी

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में शामली जनपद के टिटौली, बनत, शेखूपुरा, लांक, बहावड़ी और झाल सहित विभिन्न स्थानों पर विद्युत तार चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। इसके अलावा मुजफ्फरनगर जनपद के बुडिना कला और धौलड़ी समेत अन्य क्षेत्रों में भी तार चोरी की घटनाओं में शामिल होने की जानकारी सामने आई है। विद्युत खंभों से तार चोरी होने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित होने के साथ ही संबंधित विभाग को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। ऐसे में पुलिस की इस कार्रवाई को तार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस बरामद तारों और पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। गिरोह के फरार सदस्य की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने किन-किन स्थानों पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया और चोरी किए गए तारों को कहां बेचा गया। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में और जानकारी सामने आने की संभावना है।

नगर पंचायत के सहयोग से निकली स्वच्छता जागरूकता रैली, विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छ जलालाबाद का संदेश

छात्र-छात्राओं ने नारों और तख्तियों के माध्यम से नागरिकों को किया जागरूक, कचरे का उचित निस्तारण करने की अपील



जलालाबाद (शामली)। स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण और नागरिकों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नगर पंचायत जलालाबाद के सहयोग से स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। उच्च प्राथमिक विद्यालय जलालाबाद, विकास क्षेत्र शामली के छात्र-छात्राओं ने रैली में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कस्बे के लोगों को स्वच्छता का महत्व समझाया। विद्यार्थियों ने विभिन्न मार्गों से गुजरकर नागरिकों से अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने की अपील की।

यह जागरूकता अभियान नगर पंचायत अध्यक्ष जहीर मलिक तथा अधिशासी अधिकारी जयबीर शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली में शामिल विद्यार्थियों ने हाथों में स्वच्छता संबंधी संदेश लिखी तख्तियां लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों ने नारों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और नगर को साफ-सुथरा बनाए रखने में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के नारों से गूंजा जलालाबाद

रैली के दौरान विद्यार्थियों ने 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत', 'गंदगी हटाओ-देश बचाओ', 'स्वच्छता अपनाओ-बीमारी भगाओ' और 'कचरा डस्टबिन में डालें, अपने नगर को सुंदर बनाएं' जैसे नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने दुकानदारों और राहगीरों को समझाया कि सड़कों, नालियों तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से गंदगी बढ़ती है और बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और अपने आसपास सफाई रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। विद्यार्थियों ने लोगों से पॉलीथीन का प्रयोग कम करने, कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने तथा गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की अपील की। उन्होंने संदेश दिया कि स्वच्छता केवल नगर पंचायत या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। स्वच्छता जागरूकता रैली को व्यवस्थित एवं सफल बनाने में उच्च प्राथमिक विद्यालय जलालाबाद के प्रधानाचार्य भूप सिंह और वरिष्ठ अध्यापक अख्तर अंसारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शामली में सराफा व्यापारी के यहां बड़ी वारदात: छत काटकर दुकान में घुसे चोर, करोड़ों के सोने-चांदी के आभूषण चोरी



शामली। सदर कोतवाली क्षेत्र में गांधी चौक के पास गोरखनाथ मंदिर के निकट स्थित उमा ज्वेलर्स की दुकान में चोरों ने रात के समय चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान की छत में सेंध लगाकर अंदर घुसे और तिजोरी में रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। दुकानदार ने चोरी हुए आभूषणों की कीमत करोड़ों रुपये बताई है। हालांकि, चोरी हुए सामान की वास्तविक कीमत का आकलन किया जाना बाकी है।

जानकारी के अनुसार, सदर कोतवाली कै गांधी चौक के पास उमा ज्वेलर्स के नाम से दुकान चलाने वाले दीपक मंगलवार शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। बुधवार सुबह जब वह दुकान खोलकर अंदर पहुंचे तो सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर दुकान की छत में सेंध लगी मिली और तिजोरी में रखे सोने-चांदी के आभूषण गायब मिले। इसके बाद मौके पर व्यापारियों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

दुकानदार का आरोप है कि घटना की सूचना पुलिस को देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। घटना के बाद व्यापारियों में नाराजगी देखी जा रही है। चोरी की इस वारदात से बाजार के व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

शामली में प्रदूषण को लेकर ग्रामीणों का अल्टीमेटम: कंडेला की निकिता ग्राइंडटेक इकाई पर गंभीर आरोप, 20 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी



शामली। जनपद शामली के कंडेला क्षेत्र स्थित निकिता ग्राइंडटेक रिसाइकलिंग लिमिटेड और आसपास की इकाइयों से कथित जल एवं वायु प्रदूषण की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायत एवं अंतिम चेतावनी पत्र सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और पूर्व में दी गई शिकायतों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित इकाइयों से निकलने वाले कथित काले धुएं, दूषित पानी और अन्य प्रदूषणकारी तत्वों के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस समस्या से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पहले भी तीन बार शिकायती पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन उनके अनुसार अब तक समस्या का प्रभावी समाधान नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित इकाइयों का प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम से निरीक्षण कराया जाए और पानी के नमूने लेकर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांच कराई जाए। साथ ही वायु प्रदूषण, धुएं और रात के समय होने वाले संभावित उत्सर्जन की भी जांच कराने की मांग की गई है।

ग्रामीणों ने आसपास के पेयजल स्रोतों और अन्य प्रभावित जल स्रोतों के नमूनों की जांच कराकर गुणवत्ता रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई है। इसके अलावा पूर्व में दी गई शिकायतों का रिकॉर्ड निकलवाकर उन पर हुई कार्रवाई की समीक्षा करने और यदि पर्यावरण संबंधी नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है।

20 अक्टूबर से धरने की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि 20 अक्टूबर` तक शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई और समस्या के समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे संबंधित इकाई के सामने अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से धरना शुरू होने से पहले मामले की गंभीरता से जांच कराने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की है।

मिशन शक्ति से महिलाओं को मिला सुरक्षा का भरोसा, चौपाल में सीधे पुलिस से संवाद

योगी सरकार की महिला सशक्तिकरण मुहिम को मजबूती, गाजियाबाद पुलिस महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति कर रही जागरूक



गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर योगी सरकार की ओर से चलाए जा रहे प्रयासों के तहत गाजियाबाद पुलिस मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने में जुटी है। इसी कड़ी में महिलाओं के लिए चौपाल आयोजित की जा रही हैं, जहां महिलाएं बिना किसी झिझक के सीधे पुलिस अधिकारियों से संवाद कर सकती हैं और अपनी समस्याएं साझा कर सकती हैं। चौपाल के दौरान पुलिस अधिकारी महिलाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दे रहे हैं। उन्हें आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112 और महिला हेल्पलाइन 1090 के बारे में बताया जा रहा है। साथ ही, इन नंबरों के इस्तेमाल, महिलाओं के कानूनी अधिकारों और किसी भी तरह की परेशानी होने पर शिकायत दर्ज कराने के तरीकों की जानकारी भी दी जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा और उनकी शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता देते हुए गाजियाबाद के प्रत्येक थाने में मिशन शक्ति केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर महिलाएं 24 घंटे पहुंचकर अपनी शिकायत और समस्या बता सकती हैं। यहां तैनात महिला पुलिसकर्मी उनकी बात सुनेंगी और शिकायत के निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगी। मिशन शक्ति चौपाल का उद्देश्य केवल महिलाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना भी है। चौपाल के माध्यम से महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। योगी सरकार की महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित पहल के तहत पुलिस और महिलाओं के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इससे महिलाओं को अपनी बात रखने का अवसर मिल रहा है और उन्हें यह भरोसा दिलाने का प्रयास किया जा रहा है कि किसी भी परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में पुलिस उनकी सहायता के लिए उपलब्ध है।

मिशन शक्ति का संदेश साफ है—महिलाएं जागरूक बनें, अपने अधिकार पहचानें और जरूरत पड़ने पर बिना झिझक पुलिस की मदद लें।

पति के लिए कलयुग की सावित्री कहीं जाने वाली पूनम निकली धार्मिक यात्रा पर

गाजियाबाद। जिले में बाइक रिपेयर कर कलयुग में पति जान बचाने से लेकर घर की जिम्मेदारी निभाने वाली महिला पूनम अपनी लड़ाई जीत चुकी है और अब वह 5100 किलोमीटर धार्मिक यात्रा पर पति सहित निकल चुकी है लेकिन इस धार्मिक यात्रा में उसने एक कामना और की है की 2027 में भी योगी जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। गाजियाबाद में बाइक रिपेयरिंग करने वाली अकेली महिला पूनम अपने पति और दो बेटियों के साथ 5100 किलोमीटर की धार्मिक यात्रा पर निकल चुकी है उसने बताया एक समय उसके पति पैरालिसिस से ग्रसित हो गए थे जिसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था ऐसे में पूनम ने घर में ग्रहणी और सड़क पर बाइक मैकेनिक बनकर पति की बीमारी में खर्च होने वाले रूपों का इंतजाम किया और घर में एक ग्रहणी के रूप में काम कर पूरे परिवार का बोझ उठाया लेकिन उसकी परेशानियां यहीं खत्म नहीं होनी थी आपको बता दें पूनम का पति राजेश एक बाइक वर्कशॉप में के मुख्य बाइक मैकेनिक था लेकिन इस दौरान उसे पैरालिसिस हो गया जिससे उसका एक हाथ पूरे रूप से काम करना बंद हो गया और इसी के चलते नौकरी भी चली गई दवाइयां के खर्च और बच्चों की जिम्मेदारी पूनम के ऊपर आ पड़ी ऐसे में राजेश ने पूनम से कहा तुम्हें मैं बाइक रिपेयरिंग करना सीख सकता हूं जैसा मैं कहूं वैसा करते रहो और पति के कहने पर उसने सड़क किनारे बाइक रिपेयर करना शुरू किया शुरू में आते-जाते लोगों की नजरे उसे पर पड़ती लेकिन उसे तो अपने परिवार और पति के लिए कलयुग की सावित्री बनना था इसके लिए उसने कड़ी मेहनत कर बाइक रिपेयरिंग का काम अपने पति राजेश के मार्गदर्शन में सीख लिया और इस बीच लगातार राजेश का इलाज चलता रहा अभी कुछ स्थिति ठीक से संभल भी पाई थे की पूनम के बाइक रिपेयरिंग के लकड़ी के ठेले में कुछ शरारती तत्वों ने आग लगा दी जिससे उसका सारा सामान जल कर रहा था एक बार फिर उसका परिवार दाने दाने के लिए मोहताज होने की दहलीज पर पहुंच गया था, लेकिन गाजियाबाद प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उसका हौसला बढ़ाते हुए उसकी आर्थिक रूप से मदद की जिसके बाद एक बार फिर उसकी जिंदगी पटरी पर लौट आई और फिर उसने बाइक रिपेयरिंग का काम शुरू किया घर और पति की जिम्मेदारी उठाते उठाते उसे कई वर्ष बीत गए और 2026 में उसका पति राजेश पूर्ण रूप से ठीक हो गया इसके बाद उसने उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए 5100 किलोमीटर की यात्रा शुरू की है उसने गाजियाबाद प्रशासन के सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया जिन्होंने उसके इस कठिन वक्त में साथ दिया सड़क किनारे बाइक रिपेयर करने और महिला होने के नाते उसकी सुरक्षा का जिम्मा प्रदेश सरकार पर था योगी की सरकार में किसी भी बदमाश ने उसके कार्य में बाधा नहीं पहुंचाई

उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश अनुसार 15 अक्टूबर से खुली मिठाइयों की ट्रे पर लिखनी होगी एक्सपायरी डेट

गाजियाबाद। दिवाली से पहले मिठाई खरीदने वाले उपभोक्ताओं के लिए अहम खबर है अब मिठाई की दुकानों पर डिस्प्ले में रखी खुली मिठाइयों की ट्रे पर भी उनकी वरी इट ऊंशे उपयोग की अंतिम तिथि लिखना अनिवार्य होगा शासन के निर्देश पर 15 अक्टूबर से यह नियम जिले के सभी मिठाई विक्रेताओं पर लागू किया जा रहा है। गाजियाबाद के खाद्य सुरक्षा विभाग ने दुकानदारों को नियम का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अब तक पैकिंग में बिकने वाली मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों के पैकेट पर पैकिंग डेट बेस्ट बिफोर एक्सपायरी डेट और बैच नंबर जैसी जानकारियां देना अनिवार्य था नए निर्देश के तहत दुकानों में बिक्री के लिए खुली रखी मिठाइयों पर भी उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करनी होगी। इससे ग्राहकों को मिठाई की ताजगी और उसे इस्तेमाल करने की समय सीमा के बारे में जानकारी मिल सकेगी। गाजियाबाद के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि पैकेजिंग रेगुलेशन के तहत पहले से पैक खाद्य पदार्थों पर जरूरी जानकारियां अंकित करने का प्रावधान था अब दुकान में डिस्प्ले के लिए रखी गई खुली मिठाइयों पर भी Use By Date लिखना जरूरी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है तारीख लिखी होने से ग्राहक यह तय कर सकेंगे कि खरीदी गई मिठाई का उपयोग कब तक किया जा सकता है और उसे कितने समय के भीतर खाना उचित होगा। इसके आधार पर उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार मिठाई का चयन भी कर सकेंगे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक इस नियम से मिठाई की दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी यह जानकारी रहेगी कि कौन सी मिठाई कब तक बिक्री के लिए रखी जा सकती है इससे निर्धारित समय सीमा के बाद मिठाई की बिक्री पर रोक लगाने और खाद्य सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन कराने में मदद मिलेगी।

रंग संसार

रश्मिका मंदाना ने ली 400 परिवारों की जिम्मेदारी, रणबाली की 'जयम्मा' का ये नेक कदम जीत लेगा दिल



नई दिल्ली। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी के बाद पहली बार फिल्म रणबाली में नजर आने वाले हैं। फिल्म का सभी को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में रश्मिका 'जयम्मा' का मजबूत किरदार निभाने वाली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि इस किरदार ने और भारत के सबसे काले अध्यायों में से एक फिल्म ने उन्हें काफी इंस्पायर किया है। रणबाली में जयम्मा के किरदार से रश्मिका मंदाना इतनी इंस्पायर हुईं कि उन्होंने रियल में 400 परिवार की जिम्मेदारी उठाई। एक्ट्रेस का यह कदम जरूरतमंद परिवारों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि वह वैसे इन चीजों को निजी रखना ही पसंद करती हैं, लेकिन वह लोगों के साथ ये जानकारी इसलिए शेयर कर रही हैं, क्योंकि वह चाहती हैं कि जैसे वो रणबाली में अपने जयम्मा के किरदार से इंस्पायर हुई हैं, ठीक वैसे ही लोग भी इससे प्रेरित हों।एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर लिखा, " मैंने 400 परिवारों को गोद लिया है।मैं तीन महीनों तक इन परिवारों की मदद करना चाहती हूं और आगे अगले एक साल तक इस सिलसिले को जारी रखना चाहती हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे उन परिवारों का किराने का पैसा बचेगा और वह उससे बचत करके अपने भविष्य को बेहतक बना पाएंगे।"'ये छोटा सा काम किसी की जिंदगी बदल सकता है' रश्मिका मंदाना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, "आपकी एक छोटी सी की गई दया किसी की जिंदगी बदल सकती है। आपको नेक काम करने के लिए कुछ बड़ा करना ही जरूरी नहीं है। आइए हम सब एक छोटी सी पहल से शुरूआत करें। यकीन मानिए इन चेहरों की मुस्कान मेरे लिए उन तमाम रातों के जागने, चोटों, संघर्षों, दर्द, आंसुओं और उन सभी मुश्किलों से कहीं ज्यादा कीमती है

राज काज

अमेरिकी विदेश मंत्री आ रहे भारत, ट्रेड डील पर बनेगी बात? एस. जयशंकर ने बताई बड़ी बात

नई दिल्ली अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह मुंबई और जामनगर जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार, 13 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी। इस साल यह रुबियो का भारत का दूसरा आधिकारिक दौरा होगा। यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और ऊर्जा क्षेत्र में संभावनाओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो भारत में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान भी होगा। इसके अलावा, वह कारोबारियों से मिलकर दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगे। रुबियो का भारत दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है। रूस से भारत की तेल खरीद को लेकर अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की अनुमति देने वाले हालिया अमेरिकी कानून ने व्यापारिक संबंधों को लेकर अनिश्चितता बढ़ाई है। भारत की रूस से तेल खरीद में भी अब तक कोई बड़ी कमी नहीं आई है ऐसे में रुबियो की भारतीय अधिकारियों के साथ बैठक में व्यापार से जुड़े मुद्दों और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों पर चर्चा का मौका मिलेगा। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी जानकारी में किसी विशेष व्यापार समझौते या टैरिफ पर फैसले की घोषणा नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड पर चल रही बातचीत अब समाधान की ओर बढ़ रही है। विदेश मंत्री का कहना है कि अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को फिर से खड़ा करने कोशिश कर रहा है। और इसके लिए वो दूसरे देशों के लिए अपने बाजार तक पहुंचने की शर्तों को लगातार बदल रहा है। जयशंकर ने कहा कि हाल के दिनों में अमेरिका ने अपनी स्थिति बदली है। उन्होंने आगे कहा कि सभी देशों को अमेरिका के साथ अपने रिश्तों का फिर से काम करने की जरूरत है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रुबियो की यात्रा के प्रमुख उद्देश्यों में ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करना भी शामिल है।

दैनिक राशिफल गुरूवार 15 अक्टूबर 2026

मेष – लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

वृष – अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

कर्क – मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

सिंह– संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा।

कन्या – पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा।

तुला – माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

वृश्चिक – नवीन जिम्मेदारी बढ़ड़े के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा।

धनु – कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

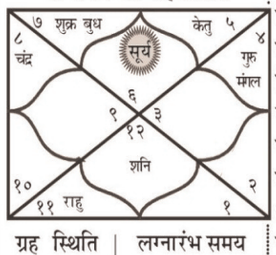
मकर – कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी।

कुंभ – शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव।

मीन – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी।

दैनिक पंचांग

15 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारंभ समय	
तुला	06.12 बजे से
वृश्चिक	08.26 ब.से
धनु	10.42 बजे से
मकर	12.48 बजे से
कुंभ	14.34 बजे से
मीन	16.07 बजे से
मेष	17.37 बजे से
वृष	19.17 बजे से
मिथुन	21.16 बजे से
कर्क	23.29 बजे से
सिंह	01.45 बजे से
कन्या	03.57 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 288 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 03.26 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा अहोरात्र।
योग सौभाग्य 21.15 बजे को समाप्त।
करण बव 14.17 बजे तदनन्तर बालव 03.26 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 4.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872863
जूलियन दिन 2461328.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 03
विशेष उपांग ललिता व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

भोपा क्षेत्र में बेलड़ा गंग नहर से मिला चार दिन से लापता लोकेश का शव: परिजनों में मचा कोहराम, पुरकाजी पुलिस ने शुरू की विधिक जांच

एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों के चार दिवसीय सर्च ऑपरेशन के बाद बेलड़ा पुल के पास तैरता मिला शव

मुजफ्फरनगर। जनपद के पुरकाजी थाना क्षेत्र के ग्राम खाईखेड़ी निवासी 22 वर्षीय युवक लोकेश पुत्र जितेंद्र का शव बुधवार सुबह भोपा थाना इलाके में बेलड़ा गंग नहर पुल के पास से बरामद कर लिया गया है। युवक पिछले चार दिनों से नहर में डूबे होने के कारण लापता चल रहा था। स्थानीय गोताखोरों और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआएफ) की टीम के कड़े प्रयासों के बाद शव को नहर से निकाला जा सका। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों में रोना-पिटना मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। 10 अक्टूबर से चल रहा था तलाशी अभियान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लोकेश पुत्र जितेंद्र (उम्र करीब 22 वर्ष), निवासी ग्राम खाईखेड़ी, थाना पुरकाजी, गत 10 अक्टूबर 2026 की शाम लगभग 4:00 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में गंग नहर में डूब गया था। घटना की सूचना तुरंत पुलिस और प्रशासन को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से तत्काल खोजबीन शुरू कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआएफ की विशेष टीम को भी राहत और बचाव कार्य में लगाया गया था, जो लगातार नहर के विभिन्न हिस्सों में सर्च ऑपरेशन चला रही थी।



बेलड़ा पुल के पास दिखा शव

लगातार चार दिनों तक चले गहन तलाशी अभियान के बाद बुधवार सुबह करीब 6:15 बजे भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेलड़ा गंग नहर पुल के पास ग्रामीणों व गोताखोरों को नहर में एक शव तैरता हुआ दिखाई दिया। एसडीआएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला, जिसकी शिनाख्त लापता लोकेश के रूप में हुई।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव, पुलिस जांच में जुटी

घटना की जानकारी मिलते ही भोपा और पुरकाजी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। चूंकि लोकेश पुरकाजी थाना क्षेत्र का निवासी था और हादसा भी वहीं से शुरू हुआ था, इसलिए पूरे मामले की अग्रिम विधिक कार्रवाई और जांच-पड़ताल पुरकाजी पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

त्योहारों को लेकर मुजफ्फरनगर पुलिस अलर्ट, बाजारों से लेकर रामलीला स्थलों तक पैदल गश्त

संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की सघन चेकिंग

मुजफ्फरनगर। आगामी पर्व एवं त्योहारों के मद्देनजर जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस पूरी तरह अलर्ट नजर आ रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों और पुलिस बल द्वारा पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान संवेदनशील स्थानों, मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और रामलीला मंचन स्थलों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई।

पैदल गश्त के दौरान जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों ने पुलिस बल तथा मिशन शक्ति महिला पुलिसकर्मियों के साथ अपने-अपने सर्किल और थाना क्षेत्रों में भ्रमण किया। पुलिस टीमों ने प्रमुख मार्गों, चौराहों, मुख्य बाजारों, शराब के ठेकों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके



साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

आमजन से संवाद कर लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली और उन्हें कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पुलिस का उद्देश्य है कि पर्व एवं त्योहारों के दौरान नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपने कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजनों में भाग ले सकें।

संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी मुस्तैदी एवं सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं पर विशेष निगरानी रखने के साथ अराजक और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने को कहा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने तथा अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमणशील रहने के निर्देश भी दिए गए।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

त्योहारों के दौरान सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक खबरों और अफवाह फैलाने वाली पोस्टों पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने निर्देशित किया कि भ्रामक सूचनाएं फैलाकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए।

मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा की जा रही पैदल गश्त, चेकिंग और निगरानी का उद्देश्य जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाना और आमजन को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है। पुलिस ने त्योहारों के दौरान सतर्कता बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने पर जोर दिया।

खतौली पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश



खतौली। थाना खतौली पुलिस ने वारंटियों एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द बघेल के नेतृत्व में थाना खतौली पुलिस और एंटी रोमियो टीम क्षेत्र में सक्रिय थी। इसी दौरान मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत क्षेत्र में भ्रमण कर रही पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि रिकवरी वारंट में वांछित अभियुक्त अपने मकान पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी और अभियुक्त को उसके मकान से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान विनोद कुमार पुत्र स्वर्गीय गजे सिंह, निवासी ग्राम युसुफपुर पिपलहेड़ा के रूप में हुई है।

भोपा में यातायात नियमों को लेकर जागरूकता अभियान: एनसीसी कैडेट्स ने संभाली कमान, पुलिस अधिकारी भी शामिल

मिशन शक्ति फेज-6 के तहत कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं को बताए गए नियम, पंपलेट बांटकर हेलमेट और सीट बेल्ट प्रयोग की अपील

भोपा (मुजफ्फरनगर)। शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-6' अभियान के अंतर्गत भोपा पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ-साथ सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं को यातायात नियमों की बारीकियों से अवगत कराया गया और सुरक्षित यातायात व्यवस्था में सहयोग की अपील की गई।



एनसीसी कैडेट्स और महिला पुलिसकर्मियों ने बांटे पम्फलेट

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में 82 बटालियन एनसीसी की महिला कैडेट्स और महिला पुलिसकर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कैडेट्स और पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से कस्बे के प्रमुख चौराहों पर खड़े होकर यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने में सहयोग दिया। उन्होंने वाहन चालकों को यातायात नियमों से संबंधित पम्फलेट वितरित करते हुए अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाने, सीट बेल्ट बांधने और यातायात संकेतों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

छात्राओं को दी गई सुरक्षा व नियमों की जानकारी

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक सांकेतिक पहल के तहत एक छात्रा को खंड शिक्षा अधिकारी (इएड) और छात्रा गुंजन को वार्डन बनाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बालिकाओं को सुरक्षा, हेल्पलाइन नंबरों और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

अभियान के दौरान सीओ राधा रमण, थाना प्रभारी आशुतोष कुमार, एसआई अजय यादव तथा एनसीसी अधिकारी अरविंद कुमार व रमन सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि नियमों का पालन करके ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है, इसलिए हर नागरिक को सतर्क और जागरूक रहना आवश्यक है।

मुजफ्फरनगर जिले व खतौली का संयुक्त राष्ट्र के मंच पर चमका नाम: जिनेवा में मोहम्मद सादिक ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

अंतर-सरकारी खनन मंच की 22वीं बैठक में रखा देश का पक्ष, 16,300 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन का खाका किया प्रस्तुत

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र के प्रतिष्ठित 'पैलेस डेस नेशंस' में आयोजित अंतर-सरकारी खनन मंच की 22वीं वार्षिक बैठक में भारत सरकार के खान मंत्रालय में डायरेक्टर पद पर तैनात खतौली निवासी मोहम्मद सादिक ने देश का आधिकारिक प्रतिनिधित्व कर क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। 12 से 14 अक्टूबर तक चलने वाले इस सम्मेलन की मेजबानी 'संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास' द्वारा की जा रही है। वैश्विक मंच पर उनके इस संबोधन से पूरे मुजफ्फरनगर जनपद में हर्ष का माहौल है।

'परस्पर निर्भर विश्व में विश्वास' थीम पर उच्चस्तरीय चर्चा

इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय (Theme) परस्पर निर्भर विश्व में विश्वासः खनिज मूल्य श्रृंखला में समावेशन और सुदृढ़ता को बढ़ावा रखा गया है। खनन क्षेत्र में सतत विकास और प्रभावी नीतियां बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस



सम्मेलन में 80 से अधिक सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के उच्चस्तरीय क्रिटिकल चॉइसेज पैनल सत्र में डायरेक्टर मोहम्मद सादिक ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के साथ-साथ सेनेगल, ब्राजील और फिलीपींस के प्रतिनिधियों के साथ वैश्विक रणनीतियों पर अपने विचार साझा किए।

राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन का वैश्विक खाका

पैनल को संबोधित करते हुए मोहम्मद सादिक ने भारत सरकार के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन का दृष्टिकोण दुनिया के सामने रखा। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 से 2030-31 तक संचालित होने वाले इस मिशन के लिए केंद्र सरकार ने 16,300 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, खनन, प्रसंस्करण और रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) की पूरी श्रृंखला को आत्मनिर्भर बनाना और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना है।

सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर

अपने संबोधन में मोहम्मद सादिक ने वैश्विक स्तर पर खनिजों की निर्बाध आपूर्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों की खोज से लेकर उनकी पुनर्प्राप्ति तक हर स्तर पर विश्व के देशों को एकजुट होकर काम करना होगा। विश्व स्तर पर भारत की नीतियों और 16,300 करोड़ रुपये के मिनरल मिशन की सफलता को रेखांकित करने वाली उनकी इस उपलब्धि से खतौली नगर और मुजफ्फरनगर जिले का गौरव बढ़ा है।

खतौली में रामलीला में विधि-विधान से हुआ पूजन व आरती: मंचन के दौरान गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार में हुआ धार्मिक अनुष्ठानः विभू शर्मा सपत्नीक रहे मुख्य यजमान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। श्री रामलीला कमेटी, ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार के तत्वाधान में आयोजित ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव का मंचन प्रारंभ होने से पूर्व बुधवार को परिसर में विधिवत आरती एवं पूजन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में नगर के प्रसिद्ध अधिवक्ता विभू शर्मा अपनी धर्मपत्नी के साथ मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे।



धर्म और मर्यादा का संदेश देता है श्रीराम का जीवन

पूजन समारोह के दौरान वक्ताओं ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग है। यह भावी पीढ़ी को सदाचार, कर्तव्यनिष्ठा और अधर्म पर धर्म की विजय की प्रेरणा देती है। सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रख रही कमेटी

कमिटी के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री रामलीला कमेटी खतौली द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली यह रामलीला क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने और जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान पूरा पंडाल मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में रामलीला कमेटी के पदाधिकारी, शहर के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विवाह के पांच साल बाद विवाहिता की मौत, पति समेत चार पर इलाज में लापरवाही का आरोप

पिता की तहरीर पर चरथावल थाने में मुकदमा दर्ज, 35 लाख रुपये खर्च कर शादी करने और इलाज के लिए पांच लाख रुपये देने का दावा; दिल्ली के अस्पताल में हुई थी मौत

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव घिस्सूखेड़ा निवासी एक विवाहिता की बीमारी के दौरान मौत के मामले में उसके पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पिता ने आरोप लगाया है कि बीमारी के दौरान विवाहिता को समय पर समुचित उपचार नहीं दिलाया गया और चिकित्सकों की सलाह के विपरीत उसे अलग-अलग अस्पतालों से छुट्टी दिलाकर दूसरे अस्पतालों में ले जाया जाता रहा। हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 21 सितंबर 2026 को उसकी मौत हो गई। पिता ने विवाहिता के पति, ससुर और दो चाचाओं पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शादी में 35 लाख रुपये खर्च करने का दावा

मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव मुबारिकपुर निवासी राजीव त्यागी ने चरथावल थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी मानवी की शादी 26 अप्रैल 2021 को गांव घिस्सूखेड़ा निवासी गौरव त्यागी के साथ की थी। पिता का दावा है कि शादी में करीब 35 लाख रुपये खर्च किए गए थे। तहरीर के अनुसार, 21 जुलाई 2026 को विवाहिता को पित्त की थैली में पथरी के कारण दर्द हुआ। पिता ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष ने उसकी बीमारी का समुचित उपचार नहीं कराया। इस दौरान उसकी स्थिति बिगड़ती चली गई और अग्न्याशय (पैंक्रियाज) में परेशानी के साथ शरीर में सूजन तथा संक्रमण बढ़ने लगा। पिता का कहना है कि उन्होंने बेटी के इलाज के लिए उसके पति और ससुराल पक्ष को करीब पांच लाख रुपये भी दिए थे। कई अस्पतालों में कराया उपचार, हालत बिगड़ने का आरोप

राजीव त्यागी ने पुलिस को बताया कि बीमारी के बाद विवाहिता को 21 जुलाई को आर्यव्रत अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी ईआरसीपी जांच एवं प्रक्रिया कराई गई। इसके बाद अग्न्याशय में परेशानी होने पर दो अगस्त को गंगारामपुरा अस्पताल में चिकित्सकीय परामर्श लिया गया। तहरीर के मुताबिक, वहां चिकित्सकों ने करीब 20 दिन तक भर्ती रखकर उपचार करने की सलाह दी थी। पिता का आरोप है कि इसके बावजूद पति गौरव, उसके पिता अरविंद तथा चाचा नवीन और प्रवीन विवाहिता को आठ दिन में ही अस्पताल से छुट्टी दिलाकर ले आए। आरोप है कि चिकित्सकों की सलाह के अनुसार उपचार नहीं होने के कारण संक्रमण बढ़ता गया और उसका स्वास्थ्य लगातार खराब होता चला गया। पिता के अनुसार, विवाहिता फोन पर उन्हें अपनी परेशानी और उपचार में आ रही दिक्कतों के बारे में बताती थी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि विवाहिता के पति और ससुराल पक्ष ने अच्छे चिकित्सक एवं सर्जन की सलाह को गंभीरता से नहीं लिया। पिता के मुताबिक, करीब एक लाख रुपये लेकर उसे दिल्ली के दिलशाद क्षेत्र स्थित कपूर मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां से भी चिकित्सकीय सलाह के बिना छुट्टी करा दी गई।

पिता ने यह भी आरोप लगाया कि विवाहिता के खानपान और उपचार में चिकित्सकों के निदेर्शों का पालन नहीं किया गया। इससे अग्न्याशय की समस्या और संक्रमण बढ़ गया तथा उसके पैरों में सूजन आने लगी। हालत लगातार बिगड़ने के बावजूद उसे समुचित उपचार नहीं मिल पाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, उपचार में लापरवाही से संबंधित इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। राजीव त्यागी के अनुसार, विवाहिता की हालत गंभीर होने पर 18 सितंबर 2026 को उसे मेरठ के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया। तहरीर में कहा गया है कि वहां चिकित्सकों ने डायलिसिस कराने और वेंटिलेटर पर रखने की आवश्यकता बताई थी। आरोप है कि इसके बाद ससुराल पक्ष के लोग उसे चिकित्सकीय सलाह के बिना पीजीआई चंडीगढ़ ले गए।

पिता के मुताबिक, चंडीगढ़ पहुंचने पर करीब छह घंटे तक अन्य चिकित्सकों से परामर्श और विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद 20 सितंबर 2026 को विवाहिता को दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उपचार के दौरान 21 सितंबर को उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत के बाद परिवार ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

पिता ने अपनी तहरीर में बेटी की मौत के लिए उसके पति गौरव त्यागी, ससुर अरविंद त्यागी तथा पति के चाचा नवीन और प्रवीन को जिम्मेदार ठहराया है।

मुजफ्फरनगर नई मंडी गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम: भारत विकास परिषद सम्राट की अनूठी पहल, संजय मिश्रा ने दिया सेवा का संदेश

समाज में करुणा, संवेदनशीलता और जीवदया को बढ़ावा देने का दिया संदेश

मुजफ्फरनगर। जनपद के नई मंडी स्थित गौशाला परिसर में भारत विकास परिषद 'सम्राट' शाखा द्वारा एक भव्य एवं भावपूर्ण गौ सेवा कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने गौ सेवा को भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा का अटूट अंग बताते हुए समाज के प्रत्येक नागरिक से इसके संरक्षण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।



अतिथियों का रहा गरिमामय सानिध्य

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय प्रकल्प संयोजक (क्षय रोग सेवा) संजय मिश्रा उपस्थित रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बार संघ के पदाधिकारी सुनील दत्त शर्मा ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती गौरी शर्मा एवं श्रीमती मोनिका शर्मा (पत्नी शाखा अध्यक्ष विनय शर्मा) तथा शाखा सचिव कुलदीप भारद्वाज के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल संयोजन में इंजीनियर प्रमोद कुमार गुप्ता, धर्मेंद्र त्यागी एवं विजय भार्गव की सराहनीय भूमिका रही।

गौ सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न अंगः संजय मिश्रा

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संजय मिश्रा ने गौ सेवा के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा हमें निःस्वार्थ भाव, करुणा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा देती है। जीवमात्र के प्रति प्रेम की भावना ही एक सभ्य और समृद्ध समाज का निर्माण करती है। गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आकर अपना यथासंभव योगदान देना चाहिए। गौ माता को कराया गया आहार ग्रहण

कार्यक्रम के दौरान परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने नई मंडी गौशाला में मौजूद गौवंश को हरा चारा, गुड़ और पोषाहार अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह से धार्मिक और सेवा भाव से सराबोर रहा।

मुजफ्फरनगर में कपड़ा व्यापारियों की बैठक: 60 वर्ष पूरे होने पर पेंशन की मांग, 4 नवंबर को दीवाली मिलन का ऐलान

एसडी कॉलेज मार्केट एसोसिएशन में कपड़ा व्यापारियों की समस्याओं को लेकर हुआ मंथन

मुजफ्फरनगर। एसडी कॉलेज मार्केट में जिला कपड़ा मार्केट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्की अरोड़ा ने की, जबकि मंच संचालन शेखर चंद्र मित्तल द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष राकेश त्यागी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान शहर के गणमान्य व्यापारियों ने बाजार की समस्याओं और व्यापारी हित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

मल्हारी मार्केट अध्यक्ष ने रखीं प्रमुख समस्याएं

बैठक के दौरान मल्हारी मार्केट के अध्यक्ष अंकुर जैन ने कपड़ा व्यापारियों के सामने प्रतिदिन आ रही विभिन्न प्रशासनिक, व्यावहारिक व बाजार से संबंधित समस्याओं को मंच के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए जिला कपड़ा मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्की अरोड़ा ने केंद्र व राज्य सरकार से बड़ी मांग रखी। उन्होंने कहा कि देश का व्यापारी जीवन भर पूरी ईमानदारी के साथ सरकार को टैक्स



देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। इसलिए 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर प्रत्येक व्यापारी के लिए सरकार द्वारा सम्मानजनक पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि उनका भविष्य सुरक्षित रहे।

4 नवंबर को कोर्ट रोड पर होगा भव्य दीपावली मिलन

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं जिला अध्यक्ष राकेश त्यागी ने घोषणा की कि आगामी 4 नवंबर को कोर्ट रोड पर 'दीपावली मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी कपड़ा व्यापारियों से एकजुट होकर इस समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

बड़ी संख्या में मौजूद रहे गणमान्य व्यापारी

इस अवसर पर व्यापारिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अशोक छाबड़ा, विक्की अरोड़ा, अंकुर जैन, विजय सिंधी, मयंक कोपाली, विक्की ढींगरा, शेखर चंद्र मित्तल, अजय अरोड़ा, चंद्रभान, अनूप कुमार, अनुज गोयल सहित बड़ी संख्या में शहर के प्रमुख कपड़ा व्यापारी उपस्थित रहे।

युवाओं के विचारों को बिजनेस मॉडल में बदलने का मंच बनेगा सेवा संकल्प अभियान

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया अभियान का शुभारंभ, टॉपर्स और विजेताओं को बांटे प्रशस्ति पत्र

मुजफ्फरनगर। युवाओं की प्रतिभा को नए अवसरों से जोड़ने, उनके नवाचार संबंधी विचारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें उद्यमशीलता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को जनपद में ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स और विजेताओं को प्रशस्ति पत्र वितरित किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने का आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा सहित शिक्षा, उद्योग और उद्यमिता क्षेत्र से जुड़े प्रमुख लोग शामिल हुए। वक्ताओं ने युवाओं को केवल रोजगार पाने तक सीमित न रहकर रोजगार उपलब्ध कराने वाले उद्यमी के रूप में भी आगे आने के लिए प्रेरित किया। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों, स्टार्टअप से जुड़े युवाओं, कॉर्पोरेट क्षेत्र के पेशेवरों और जमीनी स्तर पर नए प्रयोग करने वाले नवाचारकताओं को साझा मंच उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

सेवा और समर्पण के विजन को धरातल पर उतारने का संकल्प

मुख्य अतिथि राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल. केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के सेवा और समर्पण के विजन को धरातल पर उतारने का महा-संकल्प है। इसका उद्देश्य देश के युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप पेशेवरों, कॉर्पोरेट नवाचारकताओं और जमीनी स्तर पर नए विचारों के साथ काम करने वाले लोगों को एक मंच पर लाना है, ताकि उनकी प्रतिभा को सही दिशा मिल सके। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति में अपार संभावनाएं हैं। जरूरत इस बात की है



कि युवाओं के विचारों को प्रोत्साहन मिले और उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उचित मार्गदर्शन तथा संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। नवाचार और उद्यमशीलता के माध्यम से युवा न केवल अपना भविष्य संवार सकते हैं, बल्कि समाज और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्यमंत्री ने अभियान को आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से जोड़ते हुए कहा कि तकनीक और नवाचार का उपयोग समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का जीवन आसान बनाने के लिए किया जाना चाहिए। सेवा और समर्पण की भावना से किए गए प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने ज्ञान, कौशल और प्रतिभा का उपयोग समाजोपयोगी कार्यों में करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान एक माह तक चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सत्रों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने के साथ उनके विचारों को व्यावहारिक रूप देने पर ध्यान दिया जाएगा। युवाओं को अपने नए विचारों को सफल व्यावसायिक मॉडल में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधनों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अभियान में स्टार्टअप से जुड़े पेशेवरों, कॉर्पोरेट क्षेत्र के नवाचारकताओं, विद्यार्थियों और नए उद्यम शुरू करने की इच्छा रखने वाले युवाओं की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया गया। इसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता की भावना विकसित करना और उन्हें रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सही दिशा, कौशल और मार्गदर्शन मिलने पर युवा अपने विचारों को सफल उद्यम में बदल सकते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने विद्यार्थियों, नवोदित उद्यमियों और कॉर्पोरेट जगत के पेशेवरों से इस अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

धनुष टूटते ही गूंज उठा 'जय श्रीराम', राम-लक्ष्मण और परशुराम संवाद ने मोहा मन

नई मंडी रामलीला महोत्सवः शताब्दी वर्ष के पांचवें दिन मथुरा के कलाकारों ने बिखेरी भक्ति की छटा, बड़ी स्क्रीन पर जीवंत हुए दृश्य

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी, नई मंडी के शताब्दी वर्ष (100वें वर्ष) के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य रामलीला महोत्सव के पांचवें दिन श्रद्धा, उल्लास और अभिनय का अनूठा संगम देखने को मिला। रामलीला के रंगमंच पर मथुरा से आए प्रतिष्ठित कलाकारों ने प्रभु श्री राम के दिव्य 'सीता स्वयंवर' और उसके बाद हुए 'परशुराम-लक्ष्मण-राम संवाद' की ऐसी मनोहारी प्रस्तुति दी कि पंडाल में मौजूद हजारों दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। लीला की शुरूआत सीता स्वयंवर के महाप्रसंग से हुई। जैसे ही मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम ने शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाई, वैसे ही एक तीव्र टंकार के साथ धनुष टूट गया। धनुष खंडित होते ही पूरा परिसर 'जय श्रीराम' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। इसके बाद माता सीता ने मंद-मंद कदमों से आगे बढ़कर प्रभु श्री राम के गले में जयमाला डाली। इस आलौकिक



और भावपूर्ण दृश्य को देखकर दर्शक दीर्घा में बैठे हजारों श्रद्धालुओं के साथ अतिथि संदीप जैन, डा.प्रवेश कर्णवाल, राजेंद्र कुमार, विजय कुमार, अवधेश वर्मा देवेंद्र कुमार, विपुल गर्ग आदि की आंखें खुशी से छलक उठीं और हर कोई इस पल का साक्षी बनकर धन्य हो गया। धनुष टूटने की टंकार सुनकर जैसे ही क्रोध में भरे भगवान परशुराम का मंच पर प्रवेश हुआ, पूरा माहौल भक्ति और वीर रस से सराबोर हो गया। मथुरा के कुशल कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया 'परशुराम-लक्ष्मण संवाद' और प्रभु राम की विनम्रता का दृश्य बेहद जीवंत रहा। संवादों की प्रस्तुति इतनी सटीक थी कि दर्शक तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पाए। इस बार शताब्दी वर्ष के विशेष आयोजन में तकनीकी का भी बेहतरीन तालमेल देखने को मिल रहा है। मंचन के दौरान बड़े पर्दे (एलईडी स्क्रीन) पर दिखाए जा रहे दृश्यों और विशेष प्रभावों ने लीला को और भी भव्य बना दिया। दृश्य और तकनीक के इस अनूठे जुड़ाव ने हजारों दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

साइबर अपराध से बचने के लिए सतर्कता जरूरी, एक गलती बिगाड़ सकती है भविष्य

रोटरी क्लब संकल्प की ओर से विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित, साइबर थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह ने बताए बचाव के तरीके

मुजफ्फरनगर। इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर अपराध के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी हो गई है। छोटी-सी लापरवाही भी आर्थिक नुकसान के साथ कानूनी परेशानी का कारण बन सकती है। इसी उद्देश्य से रोटरी क्लब संकल्प की ओर से विद्यार्थियों के लिए साइबर अपराध विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह ने छात्र-छात्राओं को इंटरनेट, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया का सुरक्षित इस्तेमाल करने के तरीके बताए। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क रहने और किसी भी सामग्री को साझा करने से पहले उसके संभावित परिणामों पर विचार करने की सलाह दी। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एम.एल. गर्ग ने की, जबकि संचालन प्रधानाचार्या मीनाक्षी मित्तल ने किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराते हुए बताया गया कि डिजिटल दुनिया में जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना समय की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल पूरी सावधानी के साथ करना चाहिए। किसी भी पोस्ट, फोटो, वीडियो या संदेश को साझा करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी कर लेनी चाहिए। बिना सोचे-समझे सामग्री साझा करना कई बार परेशानी का कारण बन सकता है। उन्होंने इंटरनेट के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने और अनजान लोगों के साथ निजी जानकारी साझा नहीं करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज बच्चों का काफी समय मोबाइल फोन और ऑनलाइन गेम खेलने में बीत रहा है। इससे उनकी शारीरिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। विद्यार्थियों को मोबाइल का सीमित और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करना चाहिए तथा खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए भी समय निकालना चाहिए। साइबर अपराध के कानूनी परिणामों को समझें

इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह ने विद्यार्थियों को आगाह किया कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या



गैरकानूनी सामग्री साझा करने से पहले उसके परिणामों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी मामले में प्राथमिकी दर्ज होने पर व्यक्ति को गंभीर कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है, जिसका असर उसके भविष्य पर भी पड़ सकता है। इसलिए ऑनलाइन व्यवहार में संयम और जिम्मेदारी बरतना जरूरी है। उन्होंने बताया कि जनपद के कई बड़े उद्योगपति और व्यापारी भी साइबर अपराध का शिकार हो चुके हैं। ऐसे मामलों में पुलिस ने पीड़ितों की सहायता की है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि साइबर ठगी या किसी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की जानकारी मिलने पर उसे नजरअंदाज न करें और समय रहते संबंधित पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे डॉ. एम.एल. गर्ग ने कहा कि साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहना और समय पर सही कदम उठाना बेहद महत्वपूर्ण है। यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो उसे जल्द से जल्द राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए। समय रहते शिकायत करने से ठगी की रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। उन्होंने आधार कार्ड सहित अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों की जानकारी साझा करने में भी सावधानी बरतने की सलाह दी। किसी अनजान व्यक्ति, संदिग्ध वेबसाइट या अप्रमाणित लिंक पर अपनी निजी जानकारी उपलब्ध कराने से बचना चाहिए। विद्यार्थियों को बताया गया कि डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते समय अपनी गोपनीय जानकारी और आर्थिक सुरक्षा का ध्यान रखना आवश्यक है। कार्यशाला में वरिष्ठ रोटेरियन राजकुमार रहेजा, विकास भार्गव, मधु भार्गव, रितिका भार्गव और भावना तायल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने साइबर अपराध से बचाव के लिए विद्यार्थियों को जागरूक करने और इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या मीनाक्षी मित्तल ने उपस्थित रोटेरियन्स और पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हित और उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

मिशन शक्ति फेज-6 के तहत छात्राओं को किया जागरूक, खालापार थाने का कराया भ्रमण

महिला सुरक्षा, सरकारी योजनाओं और साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी, पुलिस की कार्यप्रणाली से भी कराया परिचित

मुजफ्फरनगर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-6 के तहत खालापार थाना पुलिस ने छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं, साइबर अपराधों से बचाव के उपायों और पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही छात्राओं को थाना परिसर का भ्रमण कराकर पुलिस की कार्यशैली से भी परिचित कराया गया। कार्यक्रम में कॉलेज की प्रोफेसर्स भी शामिल हुईं। थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत छात्राओं को जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उन्हें महिला सुरक्षा, अधिकारों और महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि किसी भी



प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में चुप रहने के बजाय पुलिस और संबंधित सहायता सेवाओं से संपर्क करना चाहिए। पुलिस ने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी आपात स्थिति में समझदारी से कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें उपलब्ध सहायता व्यवस्थाओं की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीके भी समझाए गए। उन्हें अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी संदेश और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी गई। पुलिस ने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते से जुड़ी जानकारी, पासवर्ड और ओटीपी साझा नहीं करना चाहिए। छात्राओं को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने तथा किसी संदिग्ध गतिविधि या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तुरंत शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को खालापार थाने का भ्रमण भी कराया गया।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर प्रशासन गंभीर, सीडीओ ने प्रशिक्षण का किया औचक निरीक्षण

भोपा रोड स्थित एसडी पब्लिक स्कूल में फील्ड ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन, प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित करने के लिए कर्मियों को दक्ष बनाने पर जोर

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 के सफल और व्यवस्थित संचालन की तैयारियों के तहत भोपा रोड स्थित एसडी पब्लिक स्कूल में फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय बैच का बुधवार को समापन हुआ। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रगति और जनगणना से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों को गंभीरता से समझने और आगामी चरणों में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी दक्षता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। प्रशासन के अनुसार, जनगणना-2027 के द्वितीय चरण से संबंधित तैयारियों के तहत फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एसडी पब्लिक स्कूल, भोपा रोड पर 7 से 9 अक्टूबर तक प्रथम एवं द्वितीय बैच का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जबकि 12 से 14 अक्टूबर तक तृतीय बैच को प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को तृतीय बैच के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का अंतिम दिन रहा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य



फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना की प्रक्रिया, निर्धारित दिशा-निर्देशों, तकनीकी पहलुओं और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी देना है, ताकि वे आगे प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण दे सकें। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दी जा रही जानकारी और प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से जनगणना से संबंधित प्रत्येक विषय को ध्यानपूर्वक समझने तथा प्रशिक्षण के दौरान उत्पन्न होने वाली शंकाओं का समय रहते समाधान कराने पर जोर दिया। सीडीओ ने कहा कि फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका जनगणना कार्य में महत्वपूर्ण है। उनके माध्यम से ही आगे प्रगणकों और सुपरवाइजरों तक आवश्यक जानकारी पहुंचेगी। इसलिए प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को स्पष्ट रूप से समझना और उसे क्षेत्रीय स्तर पर सही तरीके से लागू करना जरूरी है।

मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षणार्थियों को अनुशासन, आपसी समन्वय, तकनीकी दक्षता और जिम्मेदारी के साथ काम करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने निर्देश दिए कि जनगणना से जुड़े सभी निर्धारित प्रावधानों और प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी प्राप्त की जाए, ताकि वास्तविक कार्य के दौरान गलतियों और असुविधाओं की आशंका कम से कम रहे। प्रशासन का उद्देश्य जनगणना से जुड़े प्रत्येक कार्मिक को उसके दायित्वों के प्रति जागरूक और सक्षम बनाना है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां समय से पूरी करने और प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

प्रशिक्षणार्थियों के खान-पान की व्यवस्था पर भी ध्यान

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए खान-पान की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। भोजन की स्वच्छता, गुणवत्ता और सुविधाजनक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया, ताकि प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर वातावरण मिल सके। जनगणना देश की विकास योजनाओं, नीतिगत निर्णयों और प्रशासनिक नियोजन के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। ऐसे में आंकड़ों का सही संकलन, निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन और समयबद्ध कार्य निष्पादन बेहद जरूरी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से संबंधित कार्मिकों को इन जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया जा रहा है। इस अवसर पर जनगणना निदेशालय की ओर से नामित जनगणना प्रभारी गौरव गुंजन सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

एनएचएम संविदा कर्मियों पर शिकंजा, 12 कार्यदिवस में ड्यूटी पर नहीं लौटे तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल के बीच स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि संविदा कर्मचारी सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। गंभीर बीमारी की स्थिति को इसका अपवाद बताया गया है। वहीं, ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को अगले 12 कार्यदिवस के भीतर अपने कार्यस्थल पर लौटकर काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में काम पर नहीं लौटने वाले कर्मचारियों के खिलाफ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मानव संसाधन नियमावली और संबंधित दिशा-निर्देशों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति जिला स्वास्थ्य समिति को भेजी जाएगी। सीएमओ के इन निर्देशों से जिले में एनएचएम के संविदा कर्मचारियों की हड़ताल के बीच स्वास्थ्य विभाग और कर्मचारियों के बीच टकराव बढ़ने के संकेत हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की ओर से 13 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं अधीक्षिका, सभी



सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधीक्षकों तथा प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों के साथ जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला कुष्ठ अधिकारी और जिला मलेरिया अधिकारी को निदेशों का अनुपालन कराने को कहा गया है। पत्र में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की ओर से आठ अक्टूबर 2026 को जारी निदेशों का हवाला दिया गया है। इसके तहत जनसामान्य को आवश्यक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शासन तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं को आवश्यक एवं अनिवार्य सेवाओं की श्रेणी में रखते हुए कर्मचारियों की नियमित उपलब्धता और समयबद्ध कार्य निष्पादन को जरूरी बताया गया है।

बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक

सीएमओ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एनएचएम के अंतर्गत संविदा और आउटसोर्स पर कार्यरत कर्मचारी सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। गंभीर बीमारी की स्थिति को इस निर्देश से अलग रखा गया है। विभागीय अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को इन निदेशों की जानकारी देने और उनका पालन सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग का जोर इस बात पर है कि कर्मचारियों की अनुपस्थिति से आम लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए कार्मिकों की नियमित उपस्थिति आवश्यक बताई गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि नौ अक्टूबर 2026 को मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भी अनुपस्थित संविदा कर्मचारियों को लेकर निर्देश दिए गए थे। इसके अनुसार, यदि कोई संविदाकर्मी अगले 12 कार्यदिवस के भीतर अपने कार्यस्थल पर वापस आकर काम शुरू नहीं करता है तो उसके विरुद्ध संबंधित मानव संसाधन नियमावली और दिशा-निदेशों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति जिला स्वास्थ्य समिति को की जाएगी। निदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय में ड्यूटी पर वापस नहीं लौटने की स्थिति में संबंधित कर्मचारी स्वयं जिम्मेदार होगा। इस व्यवस्था के जरिए विभाग ने अनुपस्थित कर्मचारियों को काम पर लौटने का अवसर देते हुए आगे की कार्रवाई के संबंध में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। सीएमओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ संविदाकर्मियों को राज्य स्तर से जारी आदेशों की जानकारी दें और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों की प्रतिदिन की सूचना जिला कार्यक्रम प्रबंधक और जिला लेखा प्रबंधक, एनएचएम को उपलब्ध करानी होगी। इस व्यवस्था के तहत विभागीय स्तर पर कर्मचारियों की उपस्थिति और अनुपस्थिति पर नियमित निगरानी रखी जाएगी। अधिकारियों को निदेशों के अनुपालन की जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को भी देने के लिए कहा गया है। निदेशों के अनुसार, निर्धारित अवधि में काम पर नहीं लौटने वाले संविदाकर्मियों के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की संस्तुति जिला स्वास्थ्य समिति के समक्ष रखी जाएगी।

भाजपा का संगठनात्मक विस्तार: पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्षों की घोषणा, मुजफ्फरनगर में विजय वर्मा को कमान

मुजफ्फरनगर/लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीतियों को ध्यान में रखते हुए पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्षों तथा महानगर अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष प्रकाश पाल द्वारा जारी सूची में यूपी के सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों के अलावा 16 महानगरों के अध्यक्षो की नियुक्ति शामिल है। इसमें पार्टी नेतृत्व द्वारा मुजफ्फरनगर जनपद में विजय वर्मा (स्वर्णकार) तथा शामली में राहुल पाल को पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस घोषणा के बाद से ही नवनियुक्त पदाधिकारियों के समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद प्रकाश पाल द्वारा जारी सूची के अनुसार, मुजफ्फरनगर के पड़ोसी जिले शामली में राहुल पाल को जिलाध्यक्ष की कमान दी गई है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों में भी नए चेहरों पर दांव लगाया गया है। बागपत में शेर सिंह गुर्जर, सहारनपुर में साहब सिंह सैनी, बिजनौर



में शीशपाल सिंह तथा मेरठ में रवि चौधरी को पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। गाजियाबाद में जीतपाल कश्यप, मथुरा में चन्द्रवीर सोलंकी, आगरा में मुकेश राजपूत, अलीगढ में यशपाल बघेल, हाथरस में देवेन्द्र चौधरी, बुलंदशहर में राजू लोधी, हापुड में परमजीत प्रधान को ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा मेरठ में मनोज वर्मा(नाई), सहारनपुर में संजीव विश्वकर्मा, गाजियाबाद में राहुल गोस्वामी, आगरा में बंटी बघेल, व अलीगढ में भूपेन्द्र सिंह राजपूत को महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

संगठन को मिलेगी नई मजबूती

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि सभी पदाधिकारी संगठन की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को पिछड़े वर्ग के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। मुजफ्फरनगर में विजय वर्मा के मनोनयन पर पार्टी कार्यकताओं ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

स्वर्णकार समाज ने 26 अक्टूबर को महाराजा अजमीढ़ देव जयंती मनाने का लिया निर्णय

स्वराज वर्मा की अध्यक्षता में शामली रोड पर हुई बैठक, हवन-यज्ञ के बाद होगा भंडारा

मुजफ्फरनगर। आल इंडिया स्वर्णकार समाज मुजफ्फरनगर इकाई की बैठक में समाज के आदिपुरुष महाराजा श्री अजमीढ़ देव की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित समाज के पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों ने सर्वसम्मति से तय किया कि जयंती के अवसर पर 26 अक्टूबर को सुबह आठ बजे हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद भंडारा लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा। बैठक में समाज की एकजुटता, महापुरुषों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा की गई।

शामली रोड पर आयोजित हुई बैठक मंगलवार की रात करीब साढ़े सात



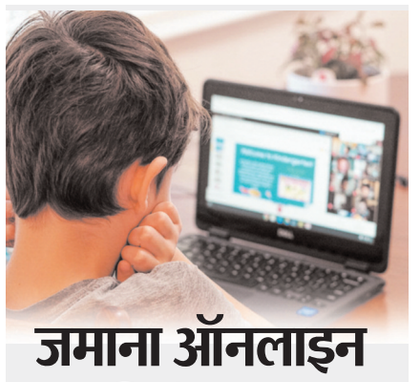
बजे शामली रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक वाली गली में सुभाषचंद्र वर्मा के निवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वराज वर्मा ने की। इसमें शहर के स्वर्णकार समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान महाराजा अजमीढ़ देव की जयंती के आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने जयंती कार्यक्रम को सामूहिक सहभागिता के साथ मनाने पर सहमति जताई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 अक्टूबर को सुबह आठ बजे हवन-यज्ञ के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समाज के लोगों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने और आयोजन को सफल बनाने का आह्वान भी किया गया।

डॉ. ओमपाल सिंह वर्मा को किया सम्मानित

बैठक के दौरान स्वर्णकार समाज के वरिष्ठ चिकित्सक और प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. ओमपाल सिंह वर्मा को सम्मानित किया गया। समाज के लोगों ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर तथा महाराजा अजमीढ़ देव का चित्र भेंट कर सम्मान प्रकट किया। उपस्थित लोगों ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर समाज के लोगों ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान करना समाज की सकारात्मक परंपरा है। ऐसे आयोजनों से समाज के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल और एकता को बढ़ावा मिलता है।

समाज की एकजुटता पर दिया जोर

बैठक का संचालन समाज के प्रवक्ता उमेशचंद वर्मा ने किया। उन्होंने बैठक में उपस्थित लोगों के समक्ष जयंती कार्यक्रम की रूपरेखा रखी और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। बैठक में वक्ताओं ने महाराजा अजमीढ़ देव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी जयंती को सामूहिक रूप से मनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में संगठन के जिलाध्यक्ष नरेशचंद्र वर्मा, डॉ. ओमपाल सिंह वर्मा, सुभाषचंद्र वर्मा, स्वराज वर्मा, मास्टर अनिल वर्मा, आरएस वर्मा, लोकेश वर्मा, राजीव वर्मा, अमित वर्मा, संजय वर्मा, गौरव वर्मा, श्यामसुंदर वर्मा, योगेश वर्मा,



जमाना ऑनलाइन

लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढना चाहते हैं, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एंव सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।



फोरैंसिक साइंस के प्रति बढ़ा युवाओं का रुझान

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वनात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वनात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस सांइस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवी उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संख्या से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

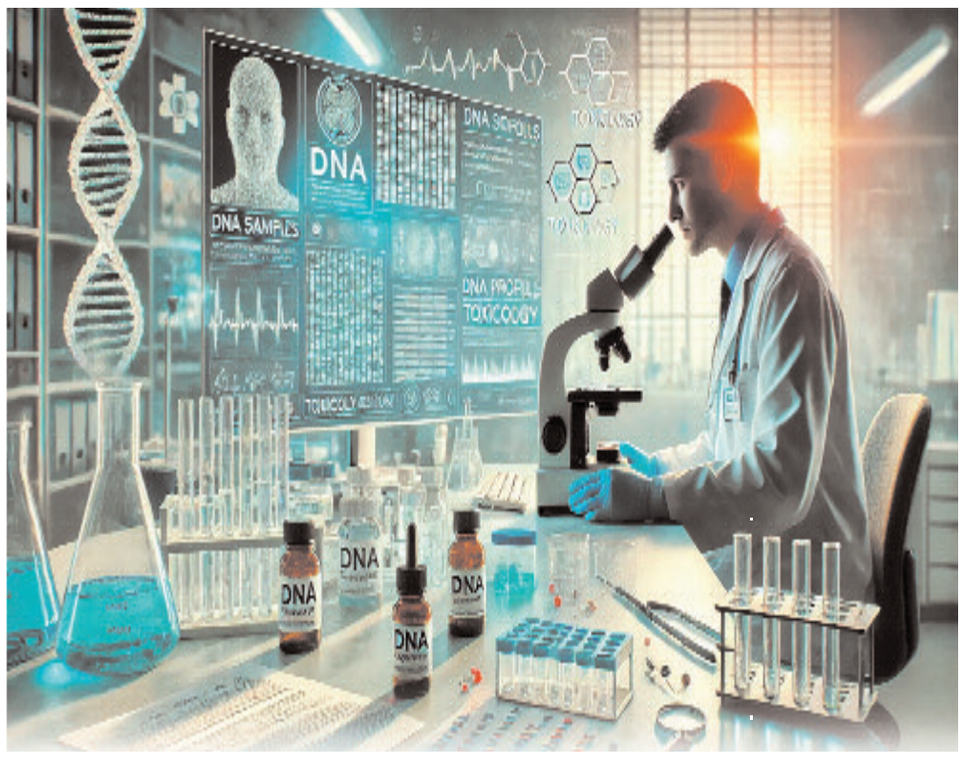
चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।





लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कींसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है।

आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्ययसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।





कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रेत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकित्रत अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरिक्षत पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे ङ्क भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे ङ्क टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढककर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पाविध हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनावों की तैयारियों को लेकर भाजपा नोएडा महानगर की महत्वपूर्ण बैठक



नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नोएडा के जिला प्रभारी श्री डी.के. शर्मा जी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों की तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति, मतदाता संपर्क अभियान और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी श्री डी.के. शर्मा जी ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन चुनावों में सफलता प्राप्त करने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अभी से पूरी गंभीरता, सक्रियता और समर्पण के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखे तथा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रयास करे कि मतदाता मतदान के दिन समय से अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

उन्होंने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक वर्ग समाज का प्रबुद्ध और जागरूक वर्ग है। ऐसे में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठनात्मक समन्वय मजबूत करने, मतदाता संपर्क अभियान को गति देने, मतदाता सूची का सत्यापन करने तथा नए मतदाताओं को जोड़ने और उनसे संपर्क स्थापित करने पर विशेष जोर दिया।

श्री डी.के. शर्मा जी ने बताया कि 16 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे सुंदरदीप कॉलेज, डासना (गाजियाबाद) में शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं की एक बड़ी बैठक आयोजित होगी, जिसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी संबोधित करेंगे। उन्होंने नोएडा महानगर के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास करें।

महानगर अध्यक्ष श्री महेश चौहान जी ने कहा कि भाजपा नोएडा महानगर आगामी शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनावों की तैयारियों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाए। उन्होंने कहा कि चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय, नियमित जनसंपर्क और संगठनात्मक अभियानों की प्रभावी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी चुनावों के दृष्टिगत क्षेत्रवार जिम्मेदारियों के निर्धारण, मतदाता संपर्क अभियान, मतदाता सूची के सत्यापन, बूथ स्तर पर समन्वय और चुनावी रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने चुनाव की तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुटने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, चुनाव संयोजक सुशील शर्मा, युद्धवीर चौहान, संजय बाली, गिरिजा सिंह, डिंपल आनंद, महेश अवाना, राजेंद्र अवाना, उमेश त्यागी, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, पंकज झा, मीनाक्षी चौहान , प्रज्ञा शर्मा , पुष्पा रावत, मुक्तानंद प्रधान, रामनिवास यादव, अजय वाल्मीकि, भूपेश चौधरी, उमेश यादव, नीरज चौधरी, सत्यनारायण महावर, प्रदीप चौहान, रामकिशन यादव, दीनबंधु कुमार, मनोज चौहान, एस पी चमोली, रुचि चौहान, सुनीता शर्मा, अनुभूति टंडन, दीपाली दीक्षित, रोशनी सिंह, दीपक शर्मा, देवेंद्र शर्मा, पी.सी.पंचोली, एड. रीना गुप्ता, विनोद पारीक, प्रवीण झा, गोपाल गौड, सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सनातन धर्म रामलीला में हुआ लक्ष्मण परशुराम संवाद और सीता स्वयंवर का प्रभावशाली मंचन

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वाधान में हरि भक्ति कला ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला का भव्य मंचन नोएडा स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस भक्ति और सांस्कृतिक आयोजन का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक पंकज शर्मा द्वारा किया गया।

रामलीला की प्रस्तुति में भगवान श्रीराम के जीवन की आरंभिक लीलाओं का सुंदर और प्रभावशाली मंचन किया गया। मंचन की शुरुआत में बालिका सीता जी द्वारा शिव धनुष को उठाने का सुंदर मंचन हुआ जहां जनक जी ने स्वयंवर हेतु प्रण लिया, बालिका सीता जी से बड़े स्वरूप को प्राप्त करने में गीतों के द्वारा बहुत ही भावुक मंचन किया गया, पुष्प वाटिका में सीता जी और श्रीराम जी की भेंट से हुई। इसके उपरांत गौरी पूजन में सीताजी द्वारा गौरी माता से मनचाहा वर का आशीर्वाद पाना, स्वयंवर में रावण बाणासुर के बीच संवाद, जनक का व्यथा से व्याकुल होना, लक्ष्मण जी का क्रोध, श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंजन करना, सीता जी द्वारा श्रीराम को जयमाला पहनाना, तदोपरांत परशुराम जी का क्रोधित मुद्रा में प्रवेश, लक्ष्मण जी और परशुराम जी के बीच में संवाद, परशुराम जी द्वारा श्रीराम को विष्णु रूप में पहचानना और क्षमा मांग कर चले जाना तक की कथा का सजीव चित्रण किया गया।

प्रसंग में जनक की व्यथा जैसे मार्मिक व लक्ष्मण परशुराम जैसे रोमांचक दृश्यों को प्रभावशाली संवादों और भावनात्मक अभिनय के माध्यम से मंच पर जीवंत किया गया। इस मंचन में विभिन्न पात्रों की भूमिकाओं को कलाकारों ने अद्भुत समर्पण और ऊर्जा के साथ निभाया। श्रीराम के रूप में अभिषेक शर्मा,

लक्ष्मण के रूप में मोहित यादव,सीताजी के रूप में युगांशा शर्मा,परशुराम की भूमिका में - मनीष चौहानजनक जी के रूप में महेश,रावण की भूमिका में अमित शर्मा,बाणासुर के रूप में कपिल ने अपने चरित्र में पूरी निष्ठा और भाव-भंगिमा से जान फूंक दी, जिससे दर्शकों ने भावविभोर होकर बार-बार तालियों से स्वागत किया। मंच पर प्रस्तुत दृश्य केवल नाटकीय नहीं थे, बल्कि उनमें सनातन संस्कृति धर्म, भक्ति और जीवन मूल्यों की सजीव झलक देखने को मिली। समिति के सदस्यों ने दर्शकों से आग्रह किया कि वे आगामी लीलाओं में भी सपरिवार उपस्थित होकर इस पावन आयोजन का आनंद लें और श्रीराम कथा से जुड़े आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

रामलीला कार्यक्रम के चर्तुथ दिवस में श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा के चेयरमैन डा. टी. एन. गोविल, अध्यक्ष टी. एन. चौरसिया, महासचिव संजय बाली, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष अल्पेश गर्ग, रविंदर गुप्ता, अर्चना राय, केशव गंगल, अतुल वर्मा, तरुण राज, जतिन, रोहित श्रीवास्तव, पवन सिंह, सुन्दर सिंह राणा, एन. के अग्रवाल, पुनीत शुक्ला, प्रमोद रंगा, चन्द्रपाल सिंह, श्रेया चतुर्वेदी, विनोद शर्मा, सुनील कुमार, देवेन्द्र गंगल, कुलदीप गुप्ता, मुकेश गुप्ता, योगेन्द्र शर्मा, सुनील कुमार, अतुल मित्तल, डा. एस.पी जैन, संजय जैन, अमित पोरवाल, मनोज पोरवाल, नरेश बंसल, छाया राय, विशाल कश्यप, लोकेश कश्यप, कुलदीप गोयल, पुष्कर शर्मा, उदय जैन, सन्नी अग्रवाल, मनोज उपाध्याय, माधव तुली, आदित्य अग्रवाल, तुषार गोयल, पी.के गुप्ता, चन्द्रपाल, गिरिजा सिंह, महेन्द्र कटारिया, राम कुमार शर्मा, रवि यादव, बबलू यादव, शिवाश श्रीवास्तव, अविनाश, रोहित ठाकुर, रमेश कुमार, एस.के.एस. राणा, जनक भाटिया, तरूण राज, नवीन सोनी, पवनदीप सिंह, वपिन बंसल, अनिल गुप्ता, विनय शर्मा, सौरभ गोविल, महेन्द्र कटारिया, राजीव अजमानी, संजय गोयल, विकास जैन, अखिलेष बधोरिया, जितेन्द्र सिंह, महेश चौहान, प्रमोद शर्मा, अशो मिश्रा, राकेष गुप्ता, अशोक चौहान, राजेश भारद्वाज, राधा किशन गर्ग, तरूण राज, समीर अग्रवाल, भारत भूषण भारद्वाज आदि काफी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक उपस्थित रहें।

1 करोड़ का गांजा पकड़ा-3 तस्कर गिरफ्तार



नोएडा। नोएडा में गांजा तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश हुआ है। बादलपुर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टीम ने बुधवार को 3 तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 165 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। इसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल ट्रक, कार और अन्य सामान भी बरामद किया है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को दादरी से लालकुआं की ओर जाने वाली सड़क पर कूड़ी खेड़ा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। इनकी पहचान दिनेश पाल, समीर कुमार और रवि के रूप में हुई है। तीनों बिहार के रहने वाले हैं। डीसीपी सेंट्रल नोएडा प्रवीण सिंह के मुताबिक, रवि भुवनेश्वर से ट्रक में गांजा भरकर लाता था। ट्रक में गांजा छिपाने के लिए गुप्त कैविटी बनाई गई थी। इसके बाद दिनेश पाल और समीर कुमार दिल्ली में गांजा बेचते थे। आरोपी फुटकर और थोक दोनों तरह से गांजे की सप्लाई करते थे।

पुलिस चेकिंग से बचने के लिए बनवाई थी कैविटी: पुलिस के मुताबिक, ट्रक में गांजा छिपाने के लिए बनाई गई गुप्त कैविटी करीब 2 महीने पहले दिनेश पाल ने बनवाई थी। इसका मकसद पुलिस की चेकिंग से बचना था। दिनेश पाल को गैंग का लीडर बताया गया है।

डीसीपी के मुताबिक, दिनेश पाल वर्ष 2021 में करीब ढाई क्विंटल गांजे की बरामदगी के मामले में गिरफ्तार हुआ था। वह करीब 15 महीने जेल में रहा था। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

शारदाकेयर हेल्थसिटी ने ग्रेटर नोएडा में निशुल्क और लगभग सभी प्रकार के कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा। शारदा केयर हेल्थ सिटी ने ग्रेटर नोएडा में अपने हॉस्पिटल कैम्पस में एक निशुल्क और सम्पूर्ण कैंसर जांच वाला कैंप लगाया। इस पहल का उद्देश्य कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना, सही जांच के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना और कैंसर के विशेषज्ञों से सलाह लेने की सुविधा को बेहतर बनाना था। इसके लिए ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग विज्ञान) के विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया।

कैंप में मेडिकल, सर्जिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी से जुड़ी निशुल्क सलाह दी गई। मरीज़ों को PSA टेस्टिंग, पैप स्मीयर और ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग के ज़रिए मुफ़्त जांच की सुविधा भी मिली। इसके साथ ही मरीज़ों को FDG-PET स्कैन और कैंसर मार्कर टेस्ट जैसी कई तरह की जांचों पर खास छूट भी दी गई।



शारदाकेयर हेल्थसिटी के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अनिंद्य मुखर्जी ने कहा, 'कैंसर के इलाज के लिए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच की ज़रूरत होती है। इसमें इलाज का चुनाव कैंसर के प्रकार, कैंसर किस स्टेज में है और मरीज़ की पूरी हालत के हिसाब से होता है। इस प्रक्रिया में मेडिकल ऑन्कोलॉजी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी विभाग में कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसे विकल्पों पर विचार किया जाता है। इस कैंप के ज़रिए हमने मरीज़ों को उनके डायग्नोसिस को समझने और उनकी ज़रूरतों के हिसाब से इलाज के विकल्प खोजने के लिए बढ़ावा दिया। '

शारदाकेयर हेल्थसिटी के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड और डॉयरेक्टर डॉ अनिल थकवानी ने कहा, 'कई कैंसर में रेडियेशन थेरेपी से इलाज़ हो जाता है यहां तक कि अगर कैंसर दूसरे या तीसरे स्टेज में रहता है तो भी इलाज़ रेडियेशन थेरेपी से संभव होता है। इलाज़ का सफ़ल होना कैंसर के प्रकार और इसकी स्थिति और संपूर्ण इलाज़ योजना पर निर्भर करता है। कुछ मामलों में इसे मुख्य इलाज के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है या नतीजों को बेहतर बनाने के लिए सर्जरी और दूसरी थेरेपी के साथ भी किया जा सकता है। इस कैंप में हमारा उद्देश्य लोगों को यह समझने में मदद करना था कि कैंसर के इलाज के तरीके काफी बेहतर हो गए हैं और अगर कैंसर का पता शुरुआती स्टेज में चल जाए तो उसे ठीक किया जा सकता है। '

सहारनपुर में गुर्जर समाज ने ट्रैक्टर, बाइक और कार रैली निकालकर किया शक्ति प्रदर्शन

नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की जनपद सहारनपुर कार्यकारिणी के तत्वावधान में दिल्ली रोड स्थित गुर्जर भवन में मनीष चौहान के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर अभिनंदन समारोह एवं भव्य सम्मेलन आयोजित किया गया। समाज की एकजुटता, सामाजिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण और युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित इस आयोजन में राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मनीष चौहान के नेतृत्व में शहर के प्रमुख मार्गों से ट्रैक्टर, बाइक और कारों का विशाल काफिला निकाला गया। रैली के माध्यम से समाज ने अपनी एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए दिल्ली में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली में पहुंचने का



संदेश दिया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव राकेश चपराना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केपी सिंह कसाना एवं जगवीर दौला तथा गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। आयोजकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी वीरेंद्र सिंह ने की तथा संचालन ओमप्रकाश ने किया।

वक्ताओं ने शिक्षा, संगठन और सामाजिक जागरूकता को समाज की प्रगति का मूल आधार बताया। उन्होंने समाज को एकजुट रखने, संगठन को मजबूत बनाने तथा युवाओं को शिक्षा, संस्कार और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए वक्ताओं ने बच्चों को महापुरुषों की शौर्यगाथाएं सुनाने और उनके आदर्शों से प्रेरित करने की अपील की। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से देशभर में समाज की एकता, जागरूकता और संगठनात्मक शक्ति का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों ने दिल्ली में लाखों लोगों के एकत्रित होने की संभावना जताई।

सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने सहारनपुर से बड़ी संख्या में दिल्ली पहुंचकर रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान 'दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में दिखेगी सहारनपुर की एकता' का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. चंद्रशेखर, नवाब गुर्जर, राहुल गुर्जर, ओमी पवार, करण सिंह प्रमुख, नरेश पाल गुर्जर, मेवाराम गुर्जर, शेरसिंह प्रधान, राजकुमार चौधरी और अमर सिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज के लोग मौजूद रहे।

शिव धनुष तोड़ श्रीराम जी ने जीता स्वयंवर

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला मंचन के चौथे दिन मुख्य अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता,महामंडलेश्वर स्वामी नवल किशोर दास जी महाराज,स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज,नोएडा महानगर संघचालक दिनेश गोयल,एनपी सिंह,कवि राजपाल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ लीला का शुभारंभ हुआ।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

दीप प्रज्वलन के पश्चात सीता जी के स्वयंवर में आये विभिन्न अतिथियों का राजा जनक द्वारा भव्य स्वागत किया जाता है और ततपश्चात स्वयंवर हेतु शिव धनुष तोड़ने हेतु सभी अतिथि अपना प्रयास करते हैं परंतु राजा जनक देखते हैं कि रावण ,बाणासुर जैसे तमाम योद्धा आये लेकिन धनुष को हिला तक नहीं सके। यह देखकर जनक जी व्याकुल हो उठते हैं। इसके बाद जनक जी धनुष न टूटने पर विलाप कर कहते हैं कि लगता है अब पृथ्वी वीरों से खाली हो गई है। लक्ष्मण जी उनकी बात सुनकर क्रोध कर कहते हैं कि अगर श्रीराम आज्ञा दे यह धनुष क्या पूरा ब्रह्माण्ड को तोड़-मरोड़ डालू। राम जी लक्ष्मण को शांत करते हैं। विश्वामित्र भगवान श्रीराम को आदेश देते हैं की ''उठहु राम भंजहु भवचापा। मेटहु तात जनक परितापा'', अर्थात् 'हे राम! उठो, शिवजी का धनुष पर प्रत्युन्चा चढ़ाओ और राजा जनक का संताप दूर करो। भगवान राम द्वारा धुनष की प्रत्युन्चा चढ़ाते ही धनुष टूट जाता है, सभी जनकपुर वासियों में खुशी दौड़ जाती है सीता जी राम को वर माला डालती हैं। सुर-नर, मुनि सभी फूलों की वर्षा करते हैं। शिव धनुष के टूटने की बात सुनकर परशुराम जी आते हैं और जनक जी को कहते हैं, हे दुष्ट धनुष किसने तोड़ा है इसके बाद लक्ष्मणव परशुराम का संवाद होता है। बाद में परशुराम जी को ज्ञात हो जाता है कि राम और कोई नहीं साक्षात विष्णु का अवतार हैं और वह क्षमा मांगते हुए कहते हैं।क्षमा के बाद परशुराम जी महेंद्र पर्वत पर लौट जाते हैं तत्पश्चात श्रीराम एवं सीता द्वारा एक दूसरे को वरमाला पहनाई गई। इसी के साथ चौथे दिन की लीला मंचन का समापन हुआ।

समिति के महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर को राम बारात शोभा यात्रा,राजा जनक द्वारा बारात का स्वागत,श्रीराम-सीता जी विवाह,सीता जी की विदाई आदि प्रसंगों का मंचन किया जायेगा।उन्होंने बताया कि श्रीराम बारात शोभायात्रा दोपहर 1 बजे सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से शुरू होगी,जो सेक्टर 20-26 गेट,डीएम चौराहा,टेलीफोन एक्सचेंज,हरौला, सेक्टर-9,10,11,12,55,खोड़ा लेबर चौक होते हुए सेक्टर-62 रामलीला स्थल तक जायेगी।रामलीला स्थल पर राजा जनक श्रीराम बारात शोभायात्रा का स्वागत करेंगे।

हथियार के बल पर लोगों को लूटने वाले 4 बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। शहर में राहगीरों से लूटपाट और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने राहगीरों से छिनैती और वाहन चोरी करने के आरोप में चार बदमाशो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीनी गई एक मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन, चोरी की एक अन्य मोटरसाइकिल, वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली बुलेट मोटरसाइकिल, 2,500 रुपये नकद और एक अवैध चाकू बरामद किया है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी राम प्रकाश शर्मा ने इस कार्रवाई के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से कार्रवाई की है। इस तकनीकी और मैदानी मदद से चारों आरोपियों को सेक्टर-50 स्थित सीवेज प्लांट के सामने ग्रीन बेल्ट से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लक्की गुप्ता पुत्र स्व. रामअवतार गुप्ता, विशाल पुत्र शेरा कश्यप, परमजीत पुत्र करतार सिंह और प्रिन्स पुत्र जितेन्द्र के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई वारदातों को कबूल किया है। आरोपियों ने बताया कि वे राह चलते लोगों को चाकू दिखाते थे और सुनसान रास्तों पर छिनैती की वारदातों को अंजाम देते थे। उन्होंने करीब दो महीने पहले सेक्टर-50 नोएडा में इंडियन पेट्रोल पंप के पीछे एक व्यक्ति से पैशन प्रो मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन छीनने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने पुष्टि की है कि बरामद की गई मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन इसी घटना से संबंधित हैं। इसके अलावा, आरोपियों के कब्जे से बरामद स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल को उन्होंने जनपद गाजियाबाद से चोरी करने की बात बताई है।

अन्य वारदातें और बरामदगी: पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कुछ दिन पहले थाना फेस-3 नोएडा क्षेत्र में भी एक व्यक्ति का मोबाइल फोन छीनने की बात स्वीकार की है। पूछताछ में उन्होंने पुलिस को बताया कि छीना गया वह मोबाइल फोन उन्होंने राह चलते एक अन्य व्यक्ति को बेच दिया था। वहीं, आरोपियों के पास से बरामद 2,500 रुपये के संबंध में उन्होंने बताया कि यह रकम उनके द्वारा पहले की गई छिनैती से प्राप्त पैसों में से बची हुई थी। पुलिस की इस पूरी कार्रवाई के दौरान छीनी गई एक मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन, चोरी की एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, घटना में इस्तेमाल की गई बुलेट मोटरसाइकिल, 2,500 रुपये नकद और एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में आरोपियों से संबंधित बरामदगी तथा पूछताछ का विवरण सामने आया है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में चोरों का आतंक

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग इलाकों में चोरों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए चोरी की पांच वारदातों को अंजाम दिया है। बदमाशों ने सेक्टर-50 स्थित द क्रिसेंट अपार्टमेंट के दो फ्लैटों को मुख्य रूप से निशाना बनाया, जहां से करीब पांच लाख रुपये नकद और लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के गहने चोरी कर लिए गए। इसके अलावा नॉलेज पार्क क्षेत्र के सेक्टर-157 स्थित प्राचीन शिव मंदिर का ताला तोड़कर दानपात्र से भक्तों की दान राशि और अन्य सामान चुराया गया। वहीं बीटा-2 क्षेत्र में एक कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप और अन्य कीमती सामान चोरी करने का मामला सामने आया है। संबंधित थानों की पुलिस ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले द क्रिसेंट अपार्टमेंट में बदमाशों ने दो अलग-अलग फ्लैटों को अपना निशाना बनाया। यह दोनों ही चोरियां परिवारों की गैरमौजूदगी में अंजाम दी गई। थाना प्रभारी निरीक्षक राम प्रकाश शर्मा के अनुसार, अपार्टमेंट निवासी इंजीनियर नितिन जैन अपने परिवार के साथ पानीपत में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। वह कार्यक्रम देर रात समाप्त हुआ जिसके चलते उन्होंने वहीं रुकने का फैसला किया। अगले दिन उनके एक पड़ोसी ने फोन करके उनके फ्लैट का ताला टूटा होने की जानकारी दी। जब वह अपने घर पहुंचे तो उन्हें घर के अंदर रखी नकदी और सारे गहने गायब मिले। नितिन जैन की शिकायत के अनुसार, बदमाश उनके घर से 80 हजार रुपये नकद, सोने का एक बड़ा हार, दो छोटे हार, चार सोने की चूड़ियां, दो कंगन, चार जोड़ी कान के टॉप्स, चार अंगूठियां, एक चेन, एक मंगलसूत्र, दो पेंडेंट, सोने के दस बिस्किट और करीब 50 ग्राम चांदी चोरी कर ले गए। उनकी शिकायत में कुल 500 ग्राम सोने की चोरी होने की बात कही गई है। इसी सोसाइटी में रहने वाली धन लक्ष्मी के फ्लैट में भी चोरी की एक बड़ी घटना हुई। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह अपने परिवार के साथ घूमने के लिए बाहर गई हुई थीं। उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर बदमाशों ने उनके फ्लैट का ताला तोड़ा और चार लाख रुपये नकद तथा करीब 250 ग्राम सोने के गहने चोरी कर लिए। उनके अनुसार, चोरी हुए इन गहनों की कुल कीमत 30 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस की जांच के दौरान सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इस फुटेज में संदिग्धों के मुख्य गेट से प्रवेश करने के बजाय दीवार फांदकर सोसाइटी के अंदर आने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब इन संदिग्धों की पहचान करने, उनकी गतिविधियों को समझने और वारदात के बाद उनके बाहर निकलने के रास्ते का पता लगाने में पूरी तरह से जुटी हुई है।

घर और मंदिर को भी बनाया गया निशाना: थाना फेस-तीन के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सौरभ कुमार पुत्र सुखबीर ने थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्राम गढ़ी चौखंडी के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार 12 अक्टूबर को वह अपने गांव गए थे और जब वह 13 अक्टूबर को अपने घर वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि अज्ञात बदमाशों ने उनके घर का ताला तोड़कर वहां रखे हुए लाखों रुपए कीमत के जेवरात और एक लाख रुपए नकद चोरी कर लिए हैं। पीड़ित ने यह भी बताया कि उसके घर में वर्ष 2025 के अक्टूबर माह में भी चोरी की वारदात हो चुकी है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इसके साथ ही, नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के सेक्टर-157 स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भी चोरी की एक अन्य वारदात को अंजाम दिया गया। मंदिर का मुख्य द्वार तोड़कर अज्ञात बदमाश दानपात्र में रखी भक्तों की दान राशि और अन्य सामान चोरी करके ले गए। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार के अनुसार, मंदिर की देखरेख करने वाले और पुजारी चेतन शर्मा ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुजारी जब सुबह मंदिर पहुंचे तो उन्होंने मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ पाया। जब उन्होंने अंदर जाकर जांच की तो दानपात्र से नकदी और अन्य सामान गायब मिला। पुलिस ने इस मामले में भी मुकदमा दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

मजबूत सोर्सिंग गतिविधि और आगंतुकों की लगातार बढ़ती संख्या ने आईएचजीफए दिल्ली मेले की वैश्विक अपील का प्रमाण दिया



नोएडा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा 62वाँ आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-ऑटम 2026 आयोजित किया जा रहा है। इस मेला का आयोजन 13 से 17 अक्टूबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है। मेला अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर चुका है । आयोजन ने एक बार फिर अपने परंपरागत संरक्षकों और पहली बार आए ट्रेड विज़िटर्स–दोनों को बड़ी संख्या में आकर्षित किया है। आगंतुकों, प्रतिभागियों और खरीदारों की उपस्थिति से प्रसन्न इपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने बताया, 'आईएचजीएफ दिल्ली मेला - ऑटम 2026 के दूसरे दिन विश्वभर के खरीदारों की भारी संख्या देखी गई, जिसमें विशेष रूप से यूरोप से उत्साहजनक सहभागिता रही। प्रदर्शकों के स्टॉल पूरे दिन व्यस्त रहे, क्योंकि आगंतुकों ने नए संग्रहों को देखा, इनोवेटिव उत्पाद श्रेणियों की सराहना की और कई ऑर्डर भी फाइनल भी किए। इस संस्करण में हैंडलूम, हस्तशिल्प तथा होम लाइफस्टाइल उत्पादों की थीम-आधारित प्रस्तुतियाँ अपना विशेष ध्यान खींच रही हैं, जबकि मेले और आगंतुकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की व्यापक सराहना हुई। पहली बार आने वाले कई आगंतुकों ने कहा कि आईएचजीएफ दिल्ली मेले को व्यक्तिगत रूप से देखना भारत के हस्तशिल्प उद्योग के आकार, विविधता और जीवंतता को समझने के लिए अनिवार्य है। '

इस भावना को विस्तार देते हुए ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने मेले में उनसे मिलने आए कुछ नियमित खरीदारों का उल्लेख किया और कहा कि, ये खरीदार न केवल भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता की सराहना करते हैं, बल्कि भारतीय उद्यमियों, उद्यम की व्यावसायिकता (प्रोफेशनलिज्म) की भी सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, 'वर्षों से हस्तशिल्प क्षेत्र विशेषकर होम एंड लाइफस्टाइल उत्पाद क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसमें समावेश तथा डिज़ाइन, उत्पादन, विपणन और प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति को अपनाया गया है। आईएचजीएफ के माध्यम से हम अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के सर्वश्रेष्ठ की मांग पूरी कर रहे हैं। हमारे कई दीर्घकालिक खरीदार, जो वर्षों से भारत से सोर्सिंग कर रहे हैं, इस परिवर्तन को स्वयं देख चुके हैं। वे भारतीय विक्रेताओं की बढ़ती उत्कृष्टता और निर्माण से लेकर निर्यात तक हर चरण में बरती जाने वाली सावधानी से परिचित हैं। इन सारे कारकों ने ने भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और समग्र आकर्षण को बढ़ाया है। '

आज मेले का दौरा श्री सैयद ज़फर इस्लाम, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व सांसद (राज्यसभा) ने भी किया। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी हॉल का भ्रमण किया और भाग ले रहे निर्यातकों से बातचीत की। इस दौरान उन्हें 62वें आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-ऑटम 2026 में प्रदर्शित हस्तशिल्प, होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग और फर्नीचर उत्पादों की विविध श्रृंखला के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें यह भी बताया गया कि यह मेला भारतीय निर्माताओं, निर्यातकों और कारीगरों को दुनिया भर के खरीदारों और सोर्सिंग प्रोफेशनल्स से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मेले के दौरान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स और सोर्सिंग प्रोफेशनल्स एलायंस ने रणनीतिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य निर्यातकों और सोर्सिंग प्रोफेशनल्स के बीच संपर्क को मजबूत करना, बायर-सेलर मीट और बिजनेस नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा नॉलेज शेयरिंग, क्षमता निर्माण, जिम्मेदार सोर्सिंग और मार्केट इंटेलिजेंस से जुड़ी संयुक्त गतिविधियां करना है। इस साझेदारी से भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई व्यावसायिक संभावनाएं और बेहतर बाजार पहुंच विकसित करने में मदद मिलेगी।

रामलीला में किया डीडी आरडब्लूए फेडरेशन टीम के मेंबर्स को सम्मानित



नोएडा। नोएडा स्टेडियम में आयोजित भव्य रामलीला श्री सनातन धर्म रामलीला समिति और श्री बजरंग रामलीला सेक्टर 12 नोएडा में डीडी आरडब्लूए फेडरेशन टीम के मेंबर्स ठाकुर एन पी सिंह (अध्यक्ष) संजीव कुमार (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) अनिल खन्ना, अनिल सिंह (उपाध्यक्ष) और सौरव सिंह को अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर प्रभु श्रीराम को माल्यार्पण करने और श्री रामायण जी की आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

रामलीला कमेटी द्वारा कई वर्षों से निरंतर इतनी भव्यता और श्रद्धा के साथ नोएडा में इस आयोजन को जारी रखने के लिए इन दोनों रामलीला कमेटी के पदाधिकारी को एवं सदस्यों का हृदय से आभार एवं विशेष धन्यवाद।

आप सभी सनातन संस्कृति और प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने और हमारी इस सांस्कृतिक धरोहर को रामलीला मंचन के माध्यम से अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। श्री रामलीला मंचन समिति के सभी पदाधिकारियों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं को इस भव्य और दिव्य आयोजन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

पति के लव रिलेशन के चलते महिला की हत्या

नोएडा। नोएडा में महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपी पत्नी शीला कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, शीला को अपने पति नितिन और मनीषा के बीच प्रेम संबंधों की जानकारी थी। इसी वजह से वह मनीषा से नफरत करती थी। आरोप है कि 5 अक्टूबर को पति के कासगंज जाने के बाद शीला ने मनीषा की गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गई।

पुलिस के अनुसार, 5 अक्टूबर 2026 को याकूबपुर गांव में एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। मृतका की पहचान कासगंज निवासी मनीषा के रूप में हुई। मकान के केयरटेकर की शिकायत पर शुरुआत में गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे को हत्या की धारा में बदल दिया गया। मामला थाना फेस-2 क्षेत्र के याकूबपुर गांव का है।

पति के कहने पर मनीषा के साथ रहने लगी थी शीला: पुलिस पूछताछ में शीला ने बताया कि उसकी शादी 20 अप्रैल 2025 को नितिन से हुई थी। उसके पति के मनीषा के साथ प्रेम संबंध थे। पति के कहने पर वह मनीषा के साथ एक ही कमरे में रहने लगी थी। इस दौरान उसे मनीषा से ईर्ष्या होने लगी।

पुलिस के मुताबिक, 4 अक्टूबर को नितिन अपनी कार से कासगंज स्थित आरटीओ कार्यालय गया था। इसी दौरान शीला ने मनीषा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। आरोप है कि 5 अक्टूबर को उसने मनीषा का गला दबाकर हत्या कर दी और वहां से फरार हो गई।

सेक्टर-88 के बीपीएल कट से गिरफ्तारी: पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से आरोपी शीला कुमारी को 14 अक्टूबर को सेक्टर-88 स्थित बीपीएल कट से गिरफ्तार किया।

निजी कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्याध्यक्ष इमरान मसूद, नोएडा कांग्रेस के नेताओं ने किया स्वागत



नोएडा। बुधवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनिर्वाचित कार्याध्यक्ष एवं कांग्रेस सांसद माननीय श्री इमरान मसूद जी के नोएडा में एक निजी कार्यक्रम सेक्टर 125 में पहुंचने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्टेट कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया और उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं,प्रदेश सदस्य यतेद्र शर्मा ने कहा है कि श्री इमरान मसूद जी को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्याध्यक्ष का दायित्व मिलने से पार्टी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उनके राजनीतिक अनुभव, संघर्षशील नेतृत्व और जनहित के मुद्दों पर मुखरता से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलेगी। सभी कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा जनहित की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

नोएडा कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता, किसानों, युवाओं, मजदूरों और समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के सम्मान के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना सभी कांग्रेसजनों की प्राथमिकता है।इस अवसर पर नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा,अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय सचिव लियाक़त चोधरी, प्रदेश सदस्य यतेद्र शर्मा, महासचिव दयाशंकर पांडेय, सहित कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने श्री इमरान मसूद जी का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

धार्मिक रामलीलाएं हमारी भारतीय संस्कृति और संस्कारों को पीढ़ी- दर -पीढ़ी ,जीवित रखने का काम करती हैं : डॉ पीयूष द्विवेदी

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के चौथे दिन यानी बुधवार को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डॉ पीयूष द्विवेदी चेयरमेन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली एनसीआर,अति विशिष्ट अतिथि आलोक द्विवेदी अध्यक्ष मीडिया क्लब नोएडा,विशेष उपस्थिति इंदु प्रकाश ओएसडी नोएडा प्राधिकरण, संजय जैन मुख्य अभियंता नोएडा विद्युत विभाग, संजीव बेदी आदि ने दीप जलाकर रामलीला का शुभारंभ कराया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी ,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा राकेश शर्मा, नरेश शर्मा, सुशील शर्मा, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, मनीष शर्मा, पंकज झा ,दिनेश भाटी ,डा एके त्यागी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉक्टर पीयूष द्विवेदी ने कहा कि भगवान श्री राम और लक्ष्मण जी के



आदर्श हमें सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं, साथ ही ऐसी धार्मिक लीलाएं हमारी भारतीय संस्कृति और संस्कारों को पीढ़ी -दर -पीढ़ी जीवित रखती हैं। उन्होंने कहा कि कमेटी के द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन के लिए कमेटी को बधाई देते हैं, और राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद आलोक द्विवेदी अध्यक्ष मीडिया क्लब ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तमराम ने सत्य की लड़ाई लड़कर जीत हासिल की और उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा लेकिन वह सत्य से पीछे नहीं हटे।

इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिर्राज अग्रवाल और उनकी टीम ने स्वागत किया।

इस अवसर पर चोथे दिन की रामलीला मंचन से पहले भगवान श्री राम जी की बारात यात्रा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ,सीएम डी,प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघ, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह ,अरुण चौहान, सुमित अग्रवाल, डॉक्टर श्वेता गोयल, शुभम गर्ग, रमेश गोयल, शेषनाथ मिश्रा आदि मौजूद थे।

गैस बिल अपडेट कराने के बहाने अधिवक्ता से 60 लाख की ठगी

नोएडा। साइबर ठगों ने गैस बिल अपडेट कराने का झांसा देकर सेक्टर-134 निवासी बुजुर्ग अधिवक्ता के बैंक खाते से 60 लाख रुपये निकाल लिए। आरोपियों ने खुद को आईजीएल कंपनी का कर्मचारी बताकर पीड़ित से संपर्क किया था। पुलिस ने केस दर्ज कर रकम ट्रांसफर किए गए बैंक खातों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। सेक्टर-134 में रहने वाले गौतम पेशे से अधिवक्ता हैं। उनके पास एक अक्तूबर को एक अनजान नंबर से फोन आया था। कॉल करने वाले ने खुद को आईजीएल कंपनी का कर्मचारी बताया। उसने अधिवक्ता को जानकारी दी कि उनके गैस कनेक्शन का बिल बकाया है।

इस पर गौतम ने बिल का भुगतान पहले ही किए जाने की बात कही। इसके बाद कॉल करने वाले ने बिल का रिकॉर्ड अपडेट करने के बहाने उनके मोबाइल पर एक एपीके फाइल भेज दी।आरोपी ने बकाया बिल से जुड़ी जानकारी अपडेट करने के नाम पर अधिवक्ता को फाइल डाउनलोड करने के लिए राजी कर लिया। पीड़ित के मोबाइल में फाइल डाउनलोड होते ही ठगों को फोन तक पहुंच मिल गई। एक से पांच अक्तूबर के बीच खाते से 60 लाख रुपये अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए ट्रांसफर कर लिए गए। बैंक खाते से रकम कटने के मैसेज मोबाइल पर आने के बाद अधिवक्ता को धोखाधड़ी की जानकारी हुई। उन्होंने तत्काल इसकी शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर की। इसके बाद साइबर क्राइम थाने में भी शिकायत दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि गैस बिल, बिजली बिल या अन्य किसी सेवा को अपडेट कराने के नाम पर अनजान नंबर से भेजी गई एपीके फाइल डाउनलोड न करें।

गैंगस्टर अमित कसाना को 7 साल की सजा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी में पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में गैंगस्टर अमित कसाना को 7 साल की सजा सुनाई गई है। रणदीप भाटी गैंग से जुड़े अमित कसाना ने 2009 में रिठौरी गांव में दबिश देने गई पुलिस टीम पर फायरिंग और लाठी-डंडों से हमला किया था। बुधवार, 14 अक्टूबर को अदालत ने उसे दोषी ठहराते हुए अलग-अलग धाराओं में कुल 16 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2009 में दादरी क्षेत्र के रिठौरी गांव में पुलिस टीम दबिश देने पहुंची थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों पर फायरिंग की गई और लाठी-डंडों से हमला किया गया। मामले में दादरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। करीब 17 साल तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने फैसला सुनाया।

हत्या के प्रयास में 7 साल की सजा

अदालत ने अमित कसाना को अलग-अलग धाराओं में सजा सुनाई।

धारा 147: 2 साल की जेल, 1 हजार रुपए जुर्माना।

धारा 148: 3 साल की जेल, 2 हजार रुपए जुर्माना।

धारा 307/149: 7 साल की जेल, 10 हजार रुपए जुर्माना।

धारा 332: 3 साल की जेल, 2 हजार रुपए जुर्माना।

धारा 353: 2 साल की जेल, 1 हजार रुपए जुर्माना।

जुर्माना जमा नहीं करने पर आरोपी को 3 महीने 20 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत हुई पैरवी: पुलिस के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के डीजीपी के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मामले में प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल, दादरी पुलिस और अभियोजन इकाई ने अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए।

भारत और यूरोप की गाड़ियों में तेजी से इस्तेमाल हो रहे हैं सिक्स सेंस मोबिलिटी के डिवाइस



नोएडा। नोएडा की डीप-टेक ऑटोमोटिव कंपनी, 'सिक्स सेंस मोबिलिटी' ने अपनी चौथी सालगिरह पर नोएडा, उत्तर प्रदेश में अपनी पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोली है। कंपनी ने इस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को लगाने में ?15 करोड़ से ज़्यादा का निवेश किया है। इस निवेश से कंपनी को अगली पीढ़ी के कनेक्टेड-व्हीकल इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने की इन-हाउस क्षमता मिलती है। इसमें व्हीकल-टू-एवरीथिंग (V2X) कम्युनिकेशन, रडार और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) शामिल हैं। 40,000 स्क्वेयर फ़ीट की इस यूनिट में एक इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और असेंबली लाइन है, जिसकी सालाना क्षमता 10 लाख (एक मिलियन) से ज़्यादा यूनिट्स की है। हार्डवेयर डेवलपमेंट, फर्मवेयर, सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन और प्रोडक्शन अब एक ही जगह पर होंगे। इससे सिक्स सेंस मोबिलिटी को क्वालिटी, कस्टमाइज़ेशन और टाइमलाइन पर सीधा कंट्रोल मिलता है, क्योंकि ऑटोमेकर्स अब सॉफ्टवेयर-डिफ़ाइंड, कनेक्टेड गाड़ियों की ओर बढ़ रहे हैं।

सिक्स सेंस मोबिलिटी के को-फ़ाउंडर और सी ई ओ सुमित रॉय ने कहा, 'चार साल पहले, हमने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर पूरे कंट्रोल के साथ ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने का काम शुरू किया था। यह यूनिट हमें बड़े कस्टमर प्रोग्राम्स को सपोर्ट करने और V2X जैसी टेक्नोलॉजी को लैब से निकालकर बड़े पैमाने पर गाड़ियों तक पहुँचाने की क्षमता देती है। भारत में ही इनकी डिज़ाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग करना 'मेक इन इंडिया' और 'विकसित भारत' की ओर हमारे सफ़र में हमारा योगदान है। 'IIT दिल्ली के सहयोग और पाइपर सेरिका व आशीष कचोलिया के निवेश के दम पर, कंपनी ने ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने का बड़ा लक्ष्य रखा है जो ग्लोबल ऑटोमोटिव इस्तेमाल के लिए सर्टिफाइड हों; इसके डिवाइस पहले से ही भारत और यूरोप की सड़कों पर चल रहे हैं। कंपनी नॉर्थ अमेरिका और साउथ-ईस्ट एशिया में ग्रोथ पर ध्यान दे रही है। साथ ही, अगले दो सालों में अपनी वर्कफोर्स को तीन गुना करने और लगभग 300 इंजीनियरिंग व मैन्युफैक्चरिंग पद जोड़ने की भी योजना है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में टायर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर-20 पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी की पहचान कृष्णा कुमार केसरी पुत्र सतेंद्र प्रताप केसरी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने नोएडा में अलग-अलग स्थानों से लैपटॉप चोरी करने और वाहनों के टायर चोरी कर बेचने की बात स्वीकार कर ली है।

थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि स्थानीय खुफिया जानकारी और बीट पुलिसिंग की सहायता से आरोपी कृष्णा कुमार केसरी को सेक्टर-17 के सामने डीएनडी रोड से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार टायर एलॉय व्हील सहित, स्विफ्ट डिजायर टैक्सी कार, एक लैपटॉप और एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने नोएडा में विभिन्न स्थानों से लैपटॉप चोरी किए थे। चोरी के लैपटॉप बेचने से प्राप्त रकम वह अपने शौक पूरे करने में खर्च करता था। आरोपी ने सेक्टर-37 के पास अर्टिगा के टायर चोरी करने की बात भी स्वीकार की है।

मुकदमा और दर्ज मामले: पुलिस के मुताबिक, बरामद चार टायरों के संबंध में थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा, आरोपी ने 28 अगस्त 2026 की रात सेक्टर-37 स्थित बेलमोंट होटल के पास खड़ी एक अर्टिगा कार के चारों टायर चोरी कर राह चलते लोगों को बेचने की बात भी स्वीकार की। इस मामले में थाना सेक्टर-39 नोएडा में मुकदमा संख्या 456/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज है।

ट्रांसफार्मर से तेल और कीमती उपकरण चोरी

नोएडा। सेक्टर-71 के सी ब्लॉक में लगे ट्रांसफार्मर से चोर 10 अक्तूबर की रात तेल और कीमती उपकरण चोरी करके ले गए। मथुरा के झुडावई गांव निवासी भीकम सिंह ने पुलिस को बताया कि वह ऊर्जा निगम में अवर अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में सेक्टर-71 स्थित बिजलीघर पर तैनात हैं। 10 अक्तूबर की सुबह करीब चार बजे सेक्टर-71 के सी ब्लॉक में गुलशन चौहान द्वारा बिजली न आने की शिकायत पर लाइनमैन द्वारा ट्रांसफार्मर को चेक किया गया। इसी दौरान सी ब्लॉक की हरित पट्टी में रखे 400 केवीए के परिवर्तक को नीचे गिराकर उसके प्लिंथ को अज्ञात चोरों चोरी किया जा रहा था।

यह देख लाइनमैन ने शोर मचा दिया। चोर मौके से भाग गए। इससे पहले चोरों ने पूरा तेल निकाल लिया था और उसकी कॉपर की क्वाइल, कोर निकालकर ले गए थे। लाइनमैन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से चोरों की पहचान की जा रही है। जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी की गरबा नाइट में छात्रों के बीच मारपीट

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की गलगोटिया यूनिवर्सिटी में मंगलवार रात 11 बजे गरबा नाइट के दौरान छात्रों के बीच मारपीट हो गई। यह घटना दनकौर कोतवाली क्षेत्र में हुई। इसका 23 सेकंड का एक वीडियो बुधवार दोपहर 1 बजे से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में कई छात्र एक लड़के को घेरकर लात-घूंसों से पीटते दिख रहे हैं। कुछ छात्र बीच-बचाव कर उसे बचाने की कोशिश भी कर रहे हैं। मारपीट में लड़के के कपड़े भी फट गए। अभी यह साफ नहीं है कि विवाद किस बात को लेकर हुआ और मारपीट में कौन से छात्र शामिल थे। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मारपीट करने वाले छात्रों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एपीके फाइल भेजकर 60 लाख ठगे

नोएडा। साइबर ठगों ने नोएडा सेक्टर 134 में रहने वाले वकील को आइजीएल गैस बिल अपडेट कराने के जाल में फंसा कर एपीके फाइल डाउनलोड कराई। उनका मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 60 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। मोबाइल पर मैसेज आने के बाद पीड़ित को ठगी का पता चला। पीड़ित ने मंगलवार को साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है।

नोएडा सेक्टर 134 में रहने वाले बुजुर्ग गौतम पेशे से वकील हैं। उनके पास ठग ने एक अक्टूबर को आइजीएल कंपनी कर्मी बनकर फोन किया। ठग ने अधिवक्ता को बताया कि उनका आइजीएल गैस बिल बकाया होने की बात बोली। उन्होंने बिल जमा होना बताया तो ठग ने बिल अपडेट कराने को बोला। इसी बीच उनके मोबाइल पर बकाया बिल होने की जानकारी के बहाने एपीके फाइल भेज दी।

डाउनलोड करते फोन हुआ हैक: फाइल डाउनलोड करने पर मोबाइल हैक हो गया। ठग ने पांच अक्टूबर तक वकील के बैंक खाते से 60 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। मोबाइल पर रकम कटने के मैसेज मिलने पर ठगी का पता चला। उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल और साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की।

खातों की जानकारी ले रहे: थाना प्रभारी विजय सिंह राना ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। ठगी में संलिप्त बैंक खातों की जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि एपीके फाइल को किसी भी हाल में डाउनलोड नहीं करें।

टाइफाइड को बताया किडनी फेल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल पर बच्चे के इलाज में गलत रिपोर्ट बनाने और जान जोखिम में डालने का आरोप है। कोर्ट के आदेश पर सूरजपुर थाने में अस्पताल के प्रबंधक, डॉक्टर और कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

दादरी निवासी वकील सचिन विधूड़ी ने 20 सितंबर 2025 को अपने बेटे सात्विक को बुखार होने पर डेल्टा वन के ग्रीन सिटी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल ने ब्लड रिपोर्ट में बच्चे का क्रेटीन, पोटेशियम और सोडियम बढ़ा हुआ बताया, जिसे डॉक्टरों ने किडनी खराब होने की बात कहकर डायलिसिस जरूरी बताया। डॉक्टरों ने परिजनों को बताया कि डायलिसिस या इलाज न होने पर बच्चे का हार्ट फेल हो सकता है। घबराकर वे बच्चे को कैलाश अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने ग्रीन सिटी की रिपोर्ट देखकर बड़े अस्पताल जाने की सलाह दी।

नोएडा के कैलाश अस्पताल में दोबारा जांच हुई तो पता चला कि बच्चे को सिर्फ टाइफाइड बुखार था। उसकी रिपोर्ट में कोई और परेशानी नहीं थी।

ज्ञानेश कुमार पर नहीं हो सकता कोई एक्शन?

एक कानून पर सवाल; सुको करेगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों से जुड़ी एक और याचिका सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। इसमें साल 2023 के एक कानून की धारा 16 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में ताजा याचिका, ष्ठक्रकी तरफ से दाखिल की गई है, जिसपर अदालत सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर जारी बवाल के बीच सुप्रीम कोर्ट बड़ी सुनवाई की तैयारी कर रहा है। यह सुनवाई उस कानून को लेकर कर रहा है, जिसमें पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और आयुक्तों को कानूनी मामलों से राहत मिलती है। फिलहाल, अदालत ने इस संबंध में नोटिस जारी किया है और सरकार से जवाब मांगा है। साथ ही चुनाव आयोग से भी जवाब तलब किया गया है। सुप्रीम 2023 के एक कानून के उस प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया, जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों को पूरा करने के दौरान किए गए कुछ कार्यों के लिए छूट प्रदान करता है।



किस कानून पर है सवाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका पर उनका जवाब मांगा है।

एसआईआर प्रदर्शनों में पाकिस्तान की साजिश उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर के विरोध में दिल्ली में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को एक बार फिर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार का हथियार बनाया जा रहा है। इस संबंध में अब तक चार एफआईआर दर्ज की गई हैं।

सीमा पार बैठे देशविरोधी तत्वों और पाकिस्तानी हैंडल्स ने भारत के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने और देश के भीतर फर्जी नैरेटिव गढ़ने के लिए सोशल मीडिया को अपना मुख्य हथियार बना लिया है।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई पूरी कोशिश कर रही है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ जाए, जिसका असर पूरे देश में हो। अब तक 500 से अधिक भ्रामक पोस्ट हटवाने के साथ ही दिल्ली पुलिस ने 100 से अधिक फेक हैंडल्स को रडार; पर ले रखा है।

सीजेआई सूर्यकांत के खिलाफ पोस्ट को लेकर याचिका दायर

राहुल गांधी-अखिलेश यादव का नाम भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजेआई सूर्यकांत पर केरल कांग्रेस की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कांग्रेस, राहुल गांधी समेत कई नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को लेकर कांग्रेस की एक सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इसमें कांग्रेस पार्टी और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि लंबित मामलों के संबंध में किसी न्यायाधीश या मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाकर राजनीतिक दलों की ओर से चलाए जाने वाले सार्वजनिक अभियानों पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश बनाए जाएं।



बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, यह याचिका केरल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से 12 अक्टूबर को किए गए एक पोस्ट के बाद दाखिल की गई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इस पोस्ट के जरिए पद पर रहते हुए मुख्य न्यायाधीश पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

केरल कांग्रेस की पोस्ट में क्या कहा गया था?

केरल कांग्रेस के एक्स हैंडल से 12 अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को संबोधित करते हुए पोस्ट किया गया था, प्रिय सूर्यकांत, अगर कानून-व्यवस्था आपका विषय नहीं है, तो अभी इस्तीफा दे दीजिए। हम आपका विकल्प ढूंढ लेंगे, जो इसे संभाल सके। चिका में कहा गया है कि पोस्ट में मुख्य न्यायाधीश को उनके संवैधानिक पद के सम्मान के अनुरूप संबोधित नहीं किया गया और उनके नाम का इस्तेमाल करते हुए इस्तीफे की मांग की गई। याचिका के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश ने अदालत के बाहर न्यायिक विचाराधीन मामलों पर चर्चा करने से इनकार किया था। इसके बावजूद इस तरह की पोस्ट के जरिए उन पर दबाव बनाने

आशुतोष रांका को जन्मदिन के दिन भेजा जेल



नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी के एक नए साल में कदम रखने का दिन जहां जश्न और खुशियों का होना चाहिए था, वहीं कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता आशुतोष रांका को जन्मदिन के दिन ही पांच दिन ही न्यायिक हिरासत की सजा मिली है। उनके साथ सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास को भी उतनी ही अवधि के लिए जेल भेज दिया गया है।

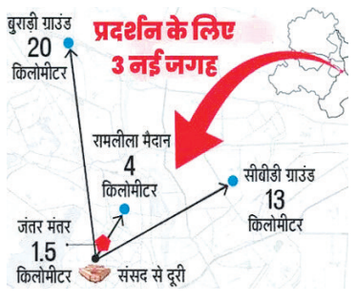
क्या है पूरा मामला?

सीजेपी के नेता आजिंक्य शिंदे के मुताबिक, सीजेपी के कार्यकर्ता जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हुए थे। उन्होंने केवल भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और भारत माता की जय के नारे लगाए। लेकिन, दिल्ली पुलिस ने इसे अनधिकृत और नियमों के खिलाफ मानते हुए कड़ी कार्रवाई की।

जंतर-मंतर की जगह 3 नए प्रदर्शन स्थलों पर भी मचा घमासान

नई दिल्ली, एजेंसी। धरना-प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर के बजाय रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड और बुराड़ी मैदान को चिह्नित करने के प्रस्ताव पर भी नागरिकों और व्यापारियों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है।

उनका कहना है कि प्रदर्शन स्थलों का चयन ऐसी जगह किया जाना चाहिए, जहां रिहायशी आबादी, व्यापारियों और नौकरीपेशा

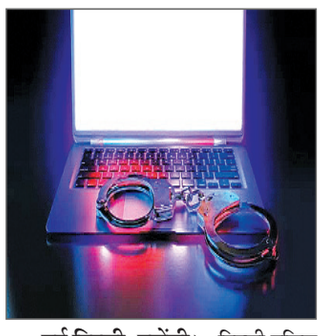


लोगों को परेशानी न हो। इसके लिए कम आवाजाही वाले स्थानों को प्राथमिकता देने की मांग की जा रही है।

रामलीला मैदान से कारोबार प्रभावित होने की आशंका- रामलीला मैदान को प्रदर्शन स्थल बनाने पर आसपास के कारोबार पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। यहां पास में कमला मार्केट समेत कई प्रमुख बाजार हैं। दिल्ली व्यापार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने कहा कि धरना-प्रदर्शन के दौरान जाम लगने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर 73 करोड़ की ठगी

दिल्ली पुलिस ने 11 साइबर ठगों को दबोचा



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस टीम ने डिजिटल अरेस्ट और निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। दोनों मामलों में 11 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। जांच में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 78 शिकायतों से इनके तार जुड़े मिले हैं, जिनमें 73 करोड़ रुपये के लेनदेन का पता चला है।

अधिकारी बनकर देते थे गिरफ्तारी की धमकी- पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य खुद को पुलिस अधिकारी या विभिन्न जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को फोन करते थे। पीड़ितों को उनके आधार कार्ड का मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल होने की बात कहकर गिरफ्तारी का डर दिखाया जाता था। इसके बाद फंड वेरिफिकेशन के नाम पर बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर कराए जाते थे।

मौजपुर के रेस्टोरेंट में आग से मची अफरातफरी

नई दिल्ली। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात एक बड़ा हादसा टल गया। यहां स्थित उधम रेस्टोरेंट के किचन में अचानक आग लग गई। आग देखते ही मौके पर अफरातफरी मच गई और अपनी जान बचाने के लिए कुछ लोग पहली मंजिल से ही नीचे कूदने लगे।

अभिजीत दीपके के जवाब में नेहा बोरा को आगे कर रहे हैं राहुल गांधी?



नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के मंचों पर आम आदमी पार्टी और ममता बनर्जी गुट वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ-साथ तमाम वामपंथी दल के नेता नजर आए हैं, लेकिन कांग्रेस ने अभी भी दूरी बनाकर रखी है। सरकार विरोधी मुद्दों पर भले ही दोनों एक-दूसरे के साथ नजर आ रहे हों, लेकिन राहुल गांधी ने कभी सीजेपी नेताओं के साथ मंच साझा नहीं किया है। जंतर मंतर-1 हो या फिर जंतर-मंतर 2.0 कभी भी राहुल गांधी सीजेपी नेताओं के साथ नजर नहीं आए।

भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस का भी विरोध

आपको बता दें कि ऐसे की मौके दिखे हैं जब सीजेपी नेताओं ने जाने-अंजाने में कांग्रेस का भी विरोध किया है। जब जंतर-मंतर आंदोलन के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की तो सीजेपी नेताओं ने इसकी तुलना 1975 में लगाए गए इमरजेंसी से कर दी। कई मौके पर सौरभ दास को इंदिरा गांधी को तानाशाह कहते हुए सुना गया है।

हालांकि, कांग्रेस के मंचों पर अक्सर वामपंथी गुट की छात्र नेता नेहा बोरा जरूर दिखती हैं। इसकी शुरुआत धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही होती है। नागपुर में जब इस मामले पर अभिजीत दीपके से सवाल पूछे गए तो उन्होंने सधा हुआ जवाब दिया। पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या आपको काउंटर करने के लिए राहुल गांधी नेहा बोरा को आगे कर रहे हैं? ऐसा सवाल इसलिए पूछ गया क्योंकि हाल के दिनों में कई मौकों पर नेहा बोरा राहुल गांधी के साथ चलती दिखीं। कल जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई तो उस समय नेहा बोरा ने भी इसे संबोधित किया।

दीपके का क्या था जवाब

पत्रकारों के सवाल पर अभिजीत दिपके ने कहा, हम सबका मकसद एक ही है और हम ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ रहे हैं, जो चुनावों में धांधली कर रहे हैं और नरेंद्र मोदी को सत्ता में बने रहने में मदद कर रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी एक स्वतंत्र प्रेशर ग्रुप है और हमेशा रहेगी।

दिवाली-छठ पर घर जाने वालों के लिए खुशखबरी

ट्रेन टिकट की टेंशन होगी खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली, छठ और दुर्गा पूजा पर ट्रेन से सफर करने वालों के लिए रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक 3.4 लाख नियमित ट्रेन फेरे निर्धारित हैं। 13 अक्टूबर तक 8454 स्पेशल फेरे अधिसूचित किए गए। बिहार, यूपी और दिल्ली के आंकड़े जानें।

भारतीय रेलवे ने दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक 3.4 लाख नियमित ट्रेन फेरे निर्धारित हैं। वहीं, 13 अक्टूबर तक 8454 स्पेशल ट्रेन फेरे अधिसूचित किए जा चुके हैं।



त्योहारों के दौरान घर जाने और वापस लौटने के लिए ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारतीय रेलवे ने नियमित ट्रेनों के साथ अतिरिक्त सेवाओं की भी योजना बनाई है।

रेलवे के मुताबिक, इस साल त्योहारों के मौसम में 3.4 लाख नियमित ट्रेन फेरे संचालित किए जाने हैं। पिछले साल यह संख्या 3.3 लाख थी। रेल मंत्रालय के अनुसार, नियमित समय-सारिणी त्योहारों के दौरान यात्रा व्यवस्था का मुख्य आधार बनी हुई है। पिछले साल की तुलना में इस बार 16 हजार से अधिक अतिरिक्त नियमित सेवा फेरे निर्धारित किए गए हैं। इनमें विशेष ट्रेनों को नियमित सेवा में शामिल करना और नई सेवाएं शुरू करना भी शामिल है।

यूपी, बिहार और बंगाल के लिए हजारों नियमित ट्रेन फेरे

त्योहारी सीजन में यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए बड़ी संख्या में नियमित ट्रेन फेरे निर्धारित किए गए हैं।

इन व्यवस्थाओं के जरिए त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

दुर्गा पूजा के लिए पश्चिम बंगाल को 49 स्पेशल ट्रेनें- दुर्गा पूजा के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम बंगाल और पूर्वी क्षेत्र के आसपास के गंतव्यों के लिए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई है।

एक साल में दूसरी बार भारत आ रहे मार्को रुबियो, लेकिन दिल्ली नहीं जाएंगे अमेरिकी विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो इसी महीने यानी अक्टूबर में भारत का दौरा करेंगे। खास बात ये है कि रुबियो इस बार दिल्ली नहीं आएंगे। वे उज्बेकिस्तान की यात्रा पूरी करने के बाद मुंबई और गुजरात के जामनगर जाएंगे। इस दौरान भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, ऊर्जा सहयोग बढ़ाने और आर्थिक संबंधों को आगे ले जाने पर चर्चा होगी। इस साल मई के बाद रुबियो का यह दूसरा आधिकारिक भारत दौरा होगा।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, रुबियो भारत यात्रा के दौरान वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।



ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर भी होगी चर्चा- रुबियो की यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा होगी।

संक्षिप्त समाचार

छठ पूजा की तैयारी शुरू

500 घाटों के विकास के लिए एमसीडी ने जारी किया फंड

नई दिल्ली, एजेंसी। छठ पर्व पर एमसीडी 500 घाट विकसित करने के लिए मदद करेगी। इसके लिए एमसीडी ने प्रत्येक वार्ड के लिए फंड आवंटन की मंजूरी दे दी है। एमसीडी के अनुसार इस फंड से पार्षद अपने इलाके में घाट को विकसित करने



के लिए खोदाई, सफाई, टेंट व लाइटिंग आदि कार्यों के लिए कर सकेंगे।

एमसीडी ने दी फंड को मंजूरी- एमसीडी ने समय रहते फंड के आवंटन को मंजूर इसलिए कर दिया है कि ताकि पहले ही योजनाबद्ध तरीके से कार्य हो सके। एमसीडी के आदेश के अनुसार प्रत्येक पार्षद को 40 हजार रुपये का फंड दिया जाएगा। जिसमें वह दो घाट में इसका उपयोग कर सकेगा। चूंकि निगम के 250 पार्षद हैं इससे 500 घाटों को विकसित करने में इससे मदद मिलेगी।

फ्लाइट में पावर बैंक को ले जाने पर लगी सख्त रोक, डीजीसीए का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल स्मार्टफोन के दौर में बिना पावर बैंक के सफर करना नामुमकिन सा हो गया है। लेकिन, अगर आप आने वाले दिनों में हवाई यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं, तो अपना बैग पैक करने से पहले यह खबर जरूर पढ़ लें।



विमानन नियामक संस्था डीजीसीए ने विमानों में एक खास मॉडल के पावर बैंक को ले जाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। अब आप इसे न तो अपने साथ केबिन बैगेज में ले जा सकते हैं और न ही चेक-इन लगेज (कार्गो) में।

जाफराबाद रेस्तरां में भीषण आग, लोगों ने पहली मंजिल से कूदकर बचाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। जाफराबाद इलाके में उधम फिश पाइंट नाम के रेस्तरां में आग लग गई। आग लगने से रेस्तरां में आए कई लोग व कर्मचारी फंस गए। जान बचाने के लिए करीब दस लोग पहली मंजिल से सड़क पर कूद गए। इसमें तीन महिलाएं भी शामिल है। गिरने की वजह से उन्हें



मामूली चोट आई है। रेस्तरां में निकासी द्वार नहीं है। दमकल की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जाफराबाद रोड पर एक मंजिला मकान में उधम फिश पाइंट रेस्तरां बना है। मंगलवार रात इसमें आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली की लोगों को बाहर भागने का रास्ता नहीं मिला। लोग व कर्मचारी पहली मंजिल से नीचे कूद गए।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा



रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एंटीगुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 23 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन



शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। व्हाइट-बॉल टीम के कप्तान शाई होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को रूटीन मेडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैंपबेल ने हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर करते हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।



राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मेन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था।

इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है।

पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाठक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली 'एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026' के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्वीपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है। 18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।'



यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम

● **गोलकीपर :** सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक ● **डिफेंडर :** संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकरा ● **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह ● **फॉरवर्ड :** शिलानंद लकरा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह ● **रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी :** विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

हरमनप्रीत बोले-पहली बार मेरे पिता मुझे देखेंगे लाइव खेलते



नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 भारतीय टीम के लिए एक खास अवसर है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में खेला जाएगा और इसके साथ ही राज्य में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। भारत इस छह टीमों वाले टूर्नामेंट में मलेशिया, साउथ कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश के साथ मुकाबला करेगा। टूर्नामेंट का आयोजन जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। 2023 में चेन्नई में आयोजन के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। हरमनप्रीत के लिए इस टूर्नामेंट का खास महत्व है क्योंकि भारतीय कप्तान को अपने गृह राज्य में परिवार के सदस्यों के सामने इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'यह पूरी टीम के लिए खासकर पंजाब के खिलाड़ियों के लिए एक खास मौका होगा क्योंकि यह पहली बार है जब हम पंजाब में किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत की जर्सी पहनकर खेलेंगे।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'उम्मीद है कि मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में मौजूद रहेगा और पहली बार मुझे एक साथ इंटरनेशनल मैच खेलते हुए देखेगा। इसमें मेरे पिता भी शामिल होंगे, जिन्होंने मुझे कभी स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते हुए नहीं देखा है।' हरमनप्रीत देश के पहले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने लगातार दो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का नेतृत्व किया है।

इस टूर्नामेंट से भारतीय हॉकी में पंजाब के लंबे समय से चले आ रहे योगदान पर भी ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। ग्रासरूट अकादमियों और गांवों के खेल के मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मंच तक, इस राज्य ने देश के कुछ सबसे मशहूर खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें उधम सिंह, बलबीर सिंह सीनियर, मनप्रीत सिंह और खुद हरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

खासकर जालंधर का इस खेल के इतिहास से गहरा नाता रहा है, जहां संसारपुर और मीठापुर जैसे इलाकों में हॉकी खेलने वाले समुदायों ने कई पीढ़ियों तक प्रतिभाओं को निखारा है। बर्लटन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक ओपनिंग सेरेमनी और लीग-स्टेज के मैच होंगे।

बर्थडे स्पेशल

75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

हमने बहुत गलतियां की, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा: हैरी केन

स्टावांगर । बेयर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने टीम की रक्षात्मक गलतियों पर निराशा जताई है। यूईएफए चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज मुकाबले में बेयर्न म्यूनिख को वाइकिंग एफके के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा, जबकि टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बढ़त हासिल कर ली थी। केन ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जिससे बेयर्न ने 2-0 से पिछड़ने के बाद मैच में वापसी की। इसके बाद लुइस डियाज ने गोल करके टीम को बढ़त भी दिला दी। हालांकि, माइकल ओलिस को रेड कार्ड मिलने के बाद मुकाबले का रुख बदल गया और बेयर्न को अंतिम समय में दबाव झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए वाइकिंग एफके के हरमन हॉगेन ने मैच के अंतिम चरण में बराबरी का गोल कर दिया, जिससे मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। नतीजे पर प्रतिक्रिया देते हुए केन ने कहा कि पहले हाफ में टीम संघर्ष करती दिखी, लेकिन ब्रेक के बाद खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उनके मुताबिक, दूसरे हाफ में बेयर्न ने इतना अच्छा खेल दिखाया कि वह मैच जीत सकता था। हालांकि, रेड कार्ड और बाद की रक्षात्मक चूक के कारण टीम अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकी और जीत हाथ से निकल गई।



मैच के बाद केन ने कहा, 'पहला हाफ हमारे लिए खराब रहा। हमने दूसरे हाफ में बहुत बेहतर खेल दिखाया। हम बेहतर टीम थे, मौके बनाए और खेल को 3-2 से अपने पक्ष में कर लिया था। फिर रेड कार्ड ने जाहिर तौर पर सब कुछ बदल दिया, खासकर आखिरी 15 से 20 मिनट में। हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ बहुत सारी आसान गलतियां कीं।

आईसीसी रैंकिंग

एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट को मिला दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की शानदार शुरुआत का असर ताजा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में भी देखने को मिला है। एलिस पेरी बल्लेबाजों की टॉप 10 सूची में वापस आ गई हैं, जबकि एनाबेल सदरलैंड और मेगन शट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पांच में पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है और ब्रिस्बेन में खेले गए शुरुआती दो मैचों में कई खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। एलन बॉर्डर फील्ड में खेले गए पहले वनडे में सदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने चार विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना ने गैलाटसराय को 4-1 से हराया

बायर्न म्यूनिख और वाइकिंग का मैच ड्रॉ रहा

इस्तांबुल । बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत को जारी रखते हुए यूरोप के सबसे खतरनाक मैदानों में से एक आरएएमएस पार्क में गैलाटसराय को 4-1 से हरा दिया। वहीं बायर्न म्यूनिख को नॉर्वे में वाइकिंग एफके ने 3-3 से ड्रॉ पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। इस्तांबुल में खेले गए मैच में मेजबान गैलाटसराय ने तेज शुरुआत की। अलेक्सई बत्राकोव के डिफ्लेक्टेड शॉट से गैलाटसराय ने बढ़त ले ली और पहले हाफ में बार्सा दबाव में दिखा। लेकिन हाफटाइम से ठीक पहले जोआओ कैंसेलो ने सूझबूझ भरी फिनिश से स्कोर 1-1 कर दिया।



दूसरे हाफ में बार्सिलोना पूरी तरह बदल गया। कोच हांसी फ्लिक की टीम ने इंटरवल के बाद सिर्फ तीन मिनट में दो गोल दागकर मैच अपने काबू में कर लिया। पहले लैमिन यामल ने शानदार खेल दिखाते हुए फर्मिन लोपेज के लिए सटीक पास दिया, जिस पर लोपेज ने हेडर से गोल किया। इसके तुरंत बाद यामल ने ही एंथनी गॉर्डन को गोल के लिए असिस्ट किया। मैच के आखिरी हिस्से में सब्स्टीट्यूट करीम अदेयेमी ने एक शानदार स्ट्राइक से चौथा गोल कर बार्सा की जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत से बार्सिलोना ने लीग फेज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया 7 मिनट में दागे तीनों गोल



नई दिल्ली । आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3-0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए करिश्माई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्ट्ज़, ओडेगार्ड और साका के बीच शानदार वन-टू हुआ। हैवर्ट्ज़ ने गेंद साका को लौटाई और साका ने ठंडे दिमाग से गेंद को नीचे के कोने में स्लाइड कर दिया।